राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 05 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-15 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जाएगा भ्रष्टाचार

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- आरोप लगाकर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

इस मामले में अधिकारी पहले हाईकोर्ट गए थे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां कोर्ट ने अवैध लाभ की ठोस मांग और स्वीकार्यता के अभाव में मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से अथॉरिटी के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर

स्थापित हो गया है। अब रिश्वत की मांग और स्वीकार्यता का प्रमाण जरूरी होगा, केवल शक्ति के दुरुपयोग के आधार पर भ्रष्टाचार का मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सिर्फ प्रशासनिक गलतियों को भ्रष्टाचार नहीं माना जाएगा। अधिकारियों पर लगाए जाने वाले आरोपों की जांच में अब अधिक सबूतों की जरूरत होगी। सजा केवल तभी मिलेगी जब रिश्वत लेने या देने के पुख्ता सबूत होंगे।

मजबूत कानून-व्यवस्था का उदाहरण देते हुए यूपी विधानसभा में बोले सीएम योगी

महाकुंभ में 33 करोड़ महिलाएं आईं, अपराध की एक भी घटना नहीं हुई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में बोलते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने मजबूत कानून-व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि महाकुंभ में 33 करोड़ महिलाएं आईं, लेकिन उत्पीडऩ/अपराध की एक भी घटना नहीं हुई। कुल 67 करोड़ श्रद्धालु कुंभ आए लेकिन एक भी अपराध की घटना नहीं हुई। वहीं, समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने कहा कि आप(समाजवादी पार्टी) भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं। आपने कहा कि हमारी सोच सांप्रदायिक है लेकिन आप हमें बताएं कि हम कैसे सांप्रदायिक हो सकते हैं? हम सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं... 45 दिनों के आयोजन(महाकुंभ) ने भारत की विरासत और विकास की एक अनुपम छाप न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में छोड़ी है।

स्पेशल कोर्ट के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

माधबी बुच पर दर्ज नहीं होगी एफआईआर

नई दिल्ली। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच समेत 6 अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के स्पेशल कोर्ट के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को रोक लगा दी। बुच ने स्पेशल कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर जस्टिस एसजी डिगे ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। सभी पक्षों को सुनने के बाद, ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायाधीश ने डिटेल्स में जाए बिना और आवेदकों को उनकी भूमिका बताए बिना आदेश पारित कर दिया है। इसलिए, आदेश पर रोक लगा दी गई है। मुंबई के एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने 1 मार्च को शेयर फ्रॉड से जुड़े मामले में एफआईआर का आदेश दिया था। यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया था। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

अरविंद केजरीवाल विपश्यना ध्यान में होंगे लीन

आज से होशियारपुर के ध्यान केंद्र में रहेंगे 10 दिन

अमृतसर। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल अब सार्वजनिक रूप से कम नजर आ रहे हैं। इस बीच खबर है कि वह 10 दिनों के लिए विपश्यना ध्यान में शामिल होने जा रहे हैं। इसके लिए वह पंजाब के होशियारपुर स्थित ध्यान केंद्र में रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 5 मार्च से 15 मार्च तक केजरीवाल महिलांवाली गांव के पास आनंदगढ़ में धम्म-धज विपश्यना योग केंद्र में ध्यान करेंगे। यह पहली बार नहीं है जब वह इस प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2024 से पहले दिसंबर 2023 में भी उन्होंने होशियारपुर के इसी ध्यान केंद्र में 10 दिन बिताए थे। दिसंबर 2023 को जब अरविंद केजरीवाल होशियारपुर पहुंचे थे, तब उनके खिलाफ ईडी कार्रवाई तेज कर चुकी थी। बार-बार कहने पर भी केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं हो रहे थे।

पहलवान सुशील कुमार को नियमित जमानत

नई दिल्ली। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने पहलवान सुशील कुमार को नियमित जमानत दे दी। उन्हें मई 2021 में हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें पहले जुलाई 2023 में घुटने की सर्जरी के लिए सात दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। साल 2021 में जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में नाम सामने आने के बाद पहलवान सुशील कुमार का करियर तबाह हो गया। सुशील कुमार जूनियर पहलवान सागर धनकड़ की हत्या के आरोप में पिछले कई साल से जेल में बंद हैं। सुशील कुमार पर संपत्ति विवाद में चार मई, 2021 को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में जूनियर पहलवान सागर धनखड़ और उनके दोस्तों पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। हमले में घायल सागर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पुलिस ने इस मामले में सुशील कुमार को गिरफ्तार किया था।

आंतरिक और बाहरी सुरक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जहां तक आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न है, उसके समक्ष हमें आतंकवाद, अलगाववाद, वामपंथी, सांप्रदायिक तनाव, घुसपैठ और संगठित अपराध जैसे खतरे देखने को मिल रहे हैं। वहीं बाहरी सुरक्षा में हमारी अपनी अलग चुनौतियां हैं। वर्तमान में साइबर और स्पेस आधारित चुनौतियां हमारे सामने आ रही हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। रक्षा मंत्री सिंह के मुताबिक, डीआरडीओ मूलतः दो प्रकार की तकनीकी प्रणालियों पर कार्य करता है। एक ओर यह हमारी सेनाओं यानी आर्मी, नेवी और एयर फोर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बड़े प्लेटफार्म की तकनीक तैयार करता है। वहीं दूसरी ओर डीआरडीओ ऐसी प्रणालियां भी विकसित कर रहा है जिनका इस्तेमाल दूसरी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भी किया जा सकता है। इस श्रेणी में छोटे हथियार, बुलेट प्रूफ जैकेट, संचार के उपकरण, सर्विलांस उपकरण, ड्रोन और एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, आजादी के बाद से भारत, चूंकि आर्थिक रूप से उतना समृद्ध नहीं था, इसकारण हमारा अधिकांश ध्यान अपनी मूलभूत जरूरतों पर टिका रहता था। अब इस नजरिये को दुर्भाग्यपूर्ण ही कह सकते हैं कि हम आपदाओं पर और उसके प्रभाव पर उतना ध्यान नहीं देते थे। हम आपदाओं और उनसे होने वाले जान-माल के नुकसान को अपनी नियति मान लेते थे। लेकिन अब स्थिति ऐसी नहीं है। उन्होंने कहा, आज भारत समृद्ध हो रहा है। आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी तकनीक की भूमिका बढ़ रही है। आप लोगों को याद होगा कि मौसम की भविष्यवाणी करने वाले अच्छे मैकेनिज्म के आने से पहले, साइक्लोन से जान-माल की बड़ी क्षति होती थी। लेकिन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से यह स्थिति आज काफी हद तक बदली जा चुकी है। इसी प्रकार के अच्छे कार्य डिजास्टर मैनेजमेंट के दूसरे क्षेत्रों में भी किए जा रहे हैं। आज समूचे विश्व में प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप देखा जा रहा है। भारत भी इस प्राकृतिक आपदाओं से अछूता नहीं है। साइक्लोन, भूकंप, हिमस्खलन, बाढ़ और बादल फटने जैसी आपदाएं हमारे देश में भी

देखी जा रही हैं। अभी हाल ही में उत्तराखंड के माणा में हिमस्खलन की घटना हुई है। अनेक निर्माण श्रमिक इससे प्रभावित हुए हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिमस्खलन की आपदा में थर्मल इमेजिंग, विक्टिम लोकेशन कैमरा और ड्रोन आधारित इंटेलिजेंट डिटेक्शन सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीक का प्रयोग हुआ। इससे होने वाले नुकसान को काफी कम करने का प्रयास हुआ। इन तकनीकों के चलते अनेक बहुमूल्य जानें बचाई जा सकीं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया में सुरक्षा व्यवस्था काफी जटिल नजर आ रही है। इस जटिल स्थिति का प्रमुख पहलू आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच बढ़ता ओवरलैप है।

मार्च में ही गर्मी दिखाने लगी असर, कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री पार

होली पर गर्म हवाएं चलने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। इस बार मार्च में तेज गर्मी झेलनी पड़ सकती है। सर्दी के मौसम में तुलनात्मक रूप से बारिश कम हुई है। इसके असर से तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मार्च में कई जिलों में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आगरा गर्म रहने वालों जिलों में से एक है। बुधवार से यहां दिन में तेज हवाएं चलेंगी। इस बार मार्च से मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं, बल्कि हीटवेव में भी इजाफा हो सकता है। होली पर भी लू चल सकती है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रही। यही कारण है कि सामान्य से 88 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इससे फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा है। इन गर्मियों में भी पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रहने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियों के आगामी सीजन के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में संभावित परिवर्तन के आसार हैं। मौसम विभाग की मानें तो बुधवार और गुरुवार को आगरा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इन दोनों दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा में दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तामपान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता 75 फीसदी रही है। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य के प्रति सावधानी जरूरी है।

एलजी सक्सेना की तारीफ करते हुए सीएम रेखा ने कहा, आप सरकार से आपने दिल्ली को बचाए रखा

केदारनाथ की शिला का किया जिक्र

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलजी वीके सक्सेना की तारीफ कर कहा कि आम आदमी पार्टी के शासन के दौरान दिल्ली को बचाया। सीएम रेखा ने एलजी की तारीफ कर उनकी तुलना केदारनाथ के एक पत्थर से की जिसकी वजह से वहां आपदा के समय मंदिर की रक्षा हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी पत्थर की तरह एलजी ने दिल्ली में काम किया। रेखा गुप्ता ने एलजी सक्सेना के साथ भलस्वा लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया। यहां हटे कूड़े के पहाड़ के स्थान पर बांस रोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'पिछली सरकार केवल पहाड़ों की बात करती थी, पर पहाड़ का शिला भी नहीं पकड़ पाए। यहां जो काम हो रहा है और जो टारगेट सेट किया है।

इसमें केंद्र की मोदी सरकार का सहयोग है। साइट से हटाई गई चीजों (कूड़े) का इस्तेमाल एनएचएआई की कई परियोजनाओं और डीडीए ग्राउंड को समतल करने में हो रहा है। लाखों टन मैटेरियल यहां से वहां लगाया गया।' मुख्यमंत्री ने कहा, हम हर माह निरीक्षण करने और तीनों लैंडफिल साइटों का दौरा करने वाले है। एक साल के अंदर हम यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लैंडफिल की ऊंचाई कम हो और ग्रीन लैंड विकसित हो ताकि आने वाले दिनों में अच्छी परियोजनाएं शुरू की जा सकें। हमारा मिशन दिल्ली को साफ और सुंदर बनाना है। दिल्ली सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। डबल इंजन की सरकार डबल रफ्तार से काम करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा ने एलजी की तारीफ कर कहा, जैसे केदारनाथ में जब बादल फटा था, तब वहां एक शिला थी, उस शिला ने मंदिर को बचाए रखा कि बादल का पानी मंदिर को बहाकर ना ले जाए, इसतरह शिला का काम आपने आप सरकार (आम आदमी पार्टी की सरकार) के समय किया कि इस दिल्ली के प्रांगन, दिल्ली के मंदिर को बचाकर रखा।

ऐतिहासिक मंदिर से राधा-कृष्ण की अष्टधातु वाली मूर्ति चोरी, लोगों में आक्रोश

कटिहार।

बिहार के कटिहार जिले में एक ऐतिहासिक मंदिर से 150 साल पुरानी अष्टधातु से बनी राधा-कृष्ण की मूर्तियों की चोरी का मामला सामने आया है। यह घटना पोठिया थाना क्षेत्र के खैरा पंचायत स्थित लालचंद ठाकुरबाड़ी मंदिर में घटी, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

मंदिर के पुजारी घनश्याम तिवारी ने बताया कि देर रात चोरों ने मंदिर का ग्रिल काटकर मूर्तियों और चांदी के मुकुट को चुराने की कोशिश की। इसी दौरान पुजारी की नींद खुल गई और उन्होंने देखा कि मंदिर का ग्रिल टूटा हुआ है और मूर्तियां गायब हैं। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मंदिर में एकत्र हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने खुद तलाश शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान मंदिर से लगभग 200 मीटर दूर एक सब्जी के खेत में राधा रानी की मूर्ति बरामद हो गई, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति अभी भी लापता है। चोरी हुई मूर्तियों का वजन लगभग एक किलोग्राम बताया जा रहा है। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि अब भगवान भी चोरों से सुरक्षित नहीं हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरी की गई मूर्ति और आभूषणों की बरामदगी की मांग की है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग मिल सके। इसके साथ ही श्रीकृष्ण की मूर्ति की बरामदगी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के साथ स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने का भरोसा दिलाया है।

केदारनाथ में बर्फबारी से रास्तो में जमी पांच फीट बर्फ, लोगों को आवाजाही में परेशानी

केदारनाथ।

केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी के चलते यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया है। हाल ही में 27 और 28 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी के बाद क्षेत्र में पांच फीट तक बर्फ जमी है। इसके अलावा बीते दो दिनों से रुक-रुककर हल्की बर्फबारी हो रही है, जिससे हालात और कठिन हो गए हैं। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक से पांच फीट तक बर्फ जमी है, जिससे आवाजाही करना संभव नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी रामबाड़ा से रुद्रा प्वाइंट के बीच देखी जा रही है, जहां छह स्थानों पर हिमखंड सक्रिय हो गए हैं। इन हिमखंडों के कारण मार्ग पूरी तरह बाधित है। रामबाड़ा से रुद्रा प्वाइंट तक टीएफटी चट्टी, हथनी गदेरा, कुबेर गदेरा, भैरव गदेरा और रुद्रा प्वाइंट के समीप बड़े हिमखंड पसरे हुए हैं। छोटी और बड़ी लिनचोली में चार फीट से ज्यादा बर्फ जमी है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में बर्फबारी हो सकती है, जिससे मार्ग को खोलने में देरी हो सकती है। प्रशासन ने पिछले साल जनवरी-फरवरी में हुई भारी बर्फबारी के बावजूद 20 फरवरी से रास्ते से बर्फ हटाने का काम शुरू कर दिया था, लेकिन इस बार स्थिति गंभीर है। इस बार भी प्रशासन ने रामबाड़ा-गरुड़चट्टी पुराने मार्ग को पुनर्जीवित करने का काम शुरू किया था, लेकिन बर्फबारी के कारण कार्य रोकना पड़ा। इस मार्ग पर काम कर रहे करीब 90 मजदूर बीते सप्ताह सोनप्रयाग लौट आए हैं।

केदारनाथ धाम में आगामी 2 मई से यात्रा शुरू होगी, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए प्रशासन के लिए तैयारियां शुरू करना मुश्किल है। लोक निर्माण विभाग के मुताबिक अगर मौसम ने साथ दिया, तो 20 मार्च के बाद बर्फ हटाने का काम शुरू किया जा सकता है। फिलहाल, गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पूरी तरह से बर्फ से ढका हुआ है। रामबाड़ा से आगे हिमखंड सक्रिय होने के कारण पैदल यात्रा करना संभव नहीं है। इस कारण केदारनाथ यात्रा को लेकर संशय बरकरार है।

90 घंटे काम करने की सलाह देना अव्यवहारिकः अखिलेश यादव

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बड़ा बयान दिया, जिसमें उन्होंने 90 घंटे काम करने की सलाह को अव्यवहारिक बताया। उन्होंने कहा कि आज जो लोग युवाओं को यह सलाह दे रहे हैं, उन्हें दिल पर हाथ रखकर सोचना चाहिए कि वह खुद युवा थे तो क्यों नहीं किया। उनका मानना है कि मनोरंजन और फ़िल्म उद्योग भी अरबों रुपए इकोनॉमी में जोड़ता है और लोगों को रिफ़रेश्ड, रिवाइव्ड और री-एनर्जाइज्ड फ़ील कराता है। अखिलेश यादव ने कहा, वर्क और लाइफ़ का बैलेंस ही मानसिक रूप से एक स्वस्थ वातावरण बना सकता है, जहां युवा क्रिएटिव और प्रॉडक्टिव होकर समाज और दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के सिर्फ़ हाथ-पैर या शरीर नहीं, एक दिल भी है जो खुलकर जीना चाहता है और बात घंटों काम करने की नहीं होती, बल्कि दिल से काम करने की होती है। क्वांटिटी नहीं, क्वॉलिटी ऑफ़ वर्क सबसे ज़रूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

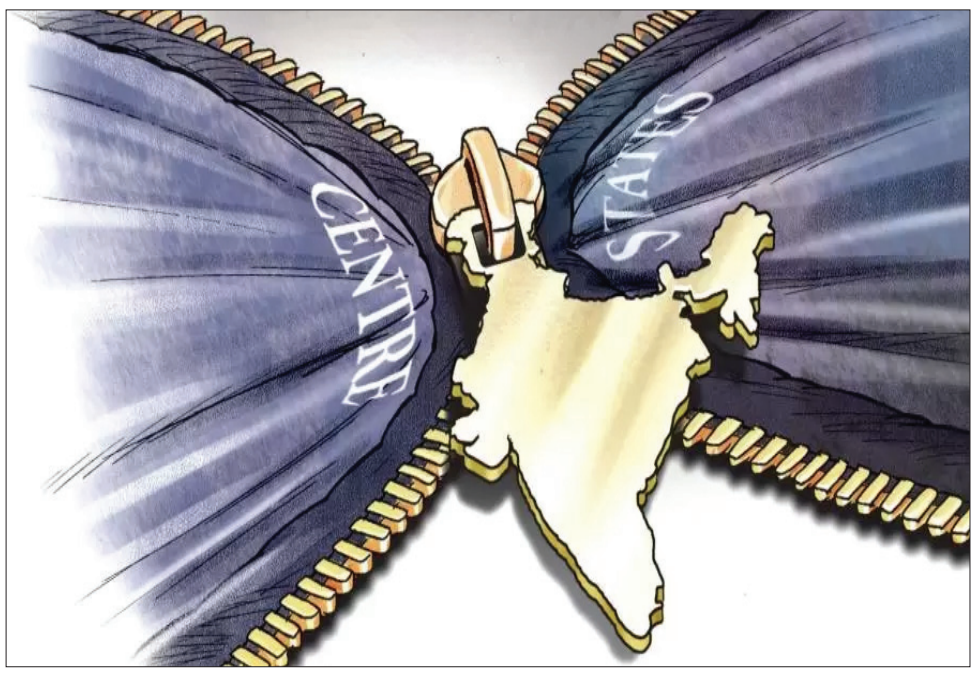

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है।

अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए।

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत कर-के, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सांच को आंच नहीं

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है। नियामक प्राधीकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉरपोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अड़ानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था। बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदतन मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंड़नबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया। खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनाये रखा बल्कि चिकने घड़े. की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती। बेशक सरकार को जांच का आश्वासन देते हुए नियामक प्राधीकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। अदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए। सफलताओं के झंडे.गाड़ने के बावजूद सेबी जैसे सम्मानित नियामक पर एक शख्स की वजह से बिला-वजह पड़ने वाले छींटों से बचाने के प्रति सरकार पहले ही प्रतिबद्धता दर्शा सकती थी।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उदेश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है।

बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

दोस्त तो चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं: भारत-पाक के बीच बातचीत चलती रहना चाहिए

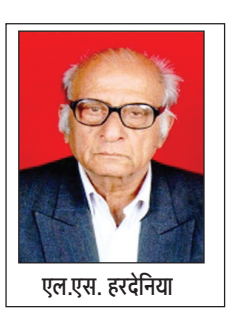

एल.एस. हरदेनिया

आप अपना दोस्त चुन सकते हैं परन्तु पड़ोसी तो स्वभाविक ही होता है। अटल बिहारी वाजपेयी के इन शब्दों को याद करते हुए दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। जिन लोगों ने इस बातचीत में भाग लिया उनमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और अनेक प्रमुख व्यक्ति शामिल थे।

इन सब प्रमुख व्यक्तियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत फिर से शुरू की जाए। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण किताब का विमोचन भी किया गया। किताब का शीर्षक था 'शांति की खोज और भारत और पाकिस्तान के रिश्ते'। इस किताब में 52 लेख शामिल हैं, जो दोनों देशों के अनेक विद्वानों ने लिखे हैं। इन विद्वानों में कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ, नेता और चिंतक शामिल हैं। इन सारे

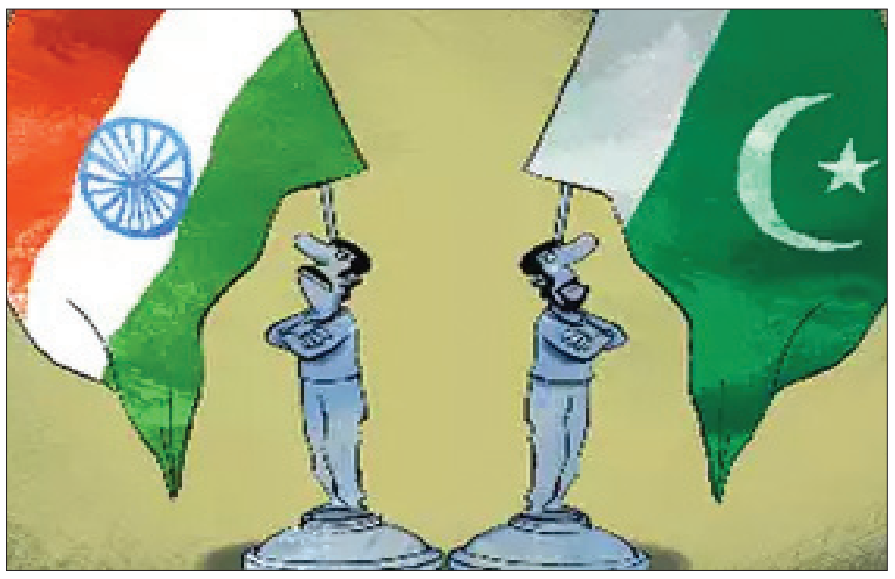

लेखों में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत चलती रहनी चाहिए। इस किताब का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया।

अपने भाषण में अंसारी ने कहा कि ये दोनों देश भारत और पाकिस्तान, एक तरह के एक्सीडेंट से बने हैं। ये ऐसे देश नहीं हैं जिनका कोई लंबा इतिहास हो। ये सिर्फ दुर्घटनावश बने थे।

अंसारी के बाद अनेक नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए। सबने इस बात पर जोर दिया कि हर हालत में भारत और पाकिस्तान के बीच में बातचीत चलती रहनी चाहिए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम एक-दूसरे से घृणा करना बंद कर दें। हम एक थे और अब एक नहीं हैं। हमें घृणा ने विभाजित कर दिया, घृणा ने ही हमें भारत और पाकिस्तान बना दिया। फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचार को उद्धृत करते हुए कहा कि 'हम दोस्त चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।'

पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि हमें ऐसी आवाजें सुनना चाहिए जो शान्ति की हों और जो दोस्ती की हों। जिलानी पाकिस्तान के विदेश सचिव तो रहे ही वे कुछ समय के लिए वहां के विदेश मंत्री भी रहे। उन्होंने उन मुद्दों का उल्लेख किया जो भारत और पाकिस्तान की दोस्ती के रोड़े हैं। उन्होंने भी वाजपेयी जी के वर्ष 2003 में दिए गए एक भाषण का उल्लेख किया। वाजपेयी जी ने कहा था कि 'भारत और पाकिस्तान की दोस्ती इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत पर आधारित है।'

पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री जावेद जब्बार ने भी इस बात पर जोर दिया कि भले ही बंदूकें चलती रहें, तोपों से गोले बरसते रहें परन्तु बातचीत होती रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज आलम ने कहा कि सार्क देशों के बीच बातचीत फिर से चालू होनी चाहिए। ये बातचीत किसी ऐसे देश में होनी चाहिए जिनके भारत और पाकिस्तान से दोस्ताना संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अभी हाल में पाकिस्तान अपनी किक्रेट टीम भेजने ने इंकार कर दिया था। यह एक दुखद घटना है। बाद में दोनों देशों की टीमें दुबई में खेलीं। ऐसा नहीं होना चाहिए। कुल मिलाकर इन दोनों देशों के नेताओं, चिंतकों की यह बातचीत दोनों देशों की दोस्ती में मील का पत्थर साबित होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आधी आबादी: तेजी से बढ़ रही कैंसर मृत्यु दर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरुषों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है।

ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका

उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरू आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। महिलाओं के जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके और भारत को स्वस्थ राष्ट्र बनाया जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में कुल 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई

मुंबई । भारतीय स्टार्टअप ने फरवरी में 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर कुल 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। आंकड़ों से पता चलता है कि इससे चालू वित्त वर्ष (2024-25) में फरवरी में कुल फंडिंग 2,200 चरण में 25.4 अरब डॉलर हो गया है। फरवरी का आंकड़ा जनवरी में कुल फंडिंग 1.38 अरब डॉलर से 19.5 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। सालाना आधार पर, जुटाई गई कुल धनराशि फरवरी, 2024 में प्राप्त 2.06 अरब डॉलर से कम थी। बेंगलुरु में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर का फंड हासिल किया, जिसका औसत चरण आकार 20 लाख डॉलर था। मुंबई में कुल 10.2 करोड़ डॉलर की फंडिंग हुई, लेकिन औसत चरण आकार 50 लाख डॉलर रहा। फरवरी में वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी ऑक्सीजो ने सबसे ज्यादा फंडिंग जुटाई, कंपनी ने पारंपरिक ऋण में 100 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद ऑनलाइन व्यापारिक मंच 'उड़ान' ने एमएंडजी पीएलसी की अगुआई में सीरीज जी इक्विटी फंडिंग चरण में 7.5 करोड़ डॉलर जुटाए।

ट्रंप की रणनीतिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी मे तेजी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनी तिक सरकारी रिजर्व की घोषणा के बाद क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में थोड़ी तेजी आई। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि अमेरिकी सरकार रणनीतिक रिजर्व कोष में विभिन्न प्रकार की डिजिटल परिसंपत्तियों को खरीदे और रखे। यह घोषणा ट्रंप के अस्थिर क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को अपने सार्वजनिक समर्थन के बैरोमीटर के रूप में उपयोग करने के बढ़ते प्रयासों को उजागर करती है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा कि उनकी सरकार एक 'क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व' बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें कम-ज्ञात क्रिप्टोकरेंसी एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो शामिल होंगे। बाद में उन्होंने एक और पोस्ट के साथ कहा कि उनके नियोजित रिजर्व में बिटकॉइन और ईथर भी शामिल होंगे। ये दो सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी हैं।इस घोषणा से क्रिप्टो की कीमतों में हाल ही में हुई बिकवाली के बाद थोड़ी तेजी देखने को मिली। पिछले सप्ताह 80,000 डॉलर से नीचे गिरने के बाद बिटकॉइन करीब 95,000 डॉलर तक पहुंच गया। रविवार को ट्रंप की घोषणा के बाद एक्सआरपी, सोलाना और कार्डानो की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला।लेकिन सोमवार दोपहर तक कीमतें लगभग उसी स्तर पर आ गईं, जहां वे ट्रंप की घोषणा से पहले थीं। ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना की पुष्टि के बाद सोमवार को अमेरिकी शेयरों में भी तेज गिरावट आई।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 159 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ेगी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को मार्च तिमाही में 159 मेगावाट पवन ऊर्जा जोड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी की परिचालन बिजली उत्पादन क्षमता 8,400 मेगावाट के पार हो गई। कंपनी ने कहा कि यह अतिरिक्त क्षमता पवन मौसम से पहले उपलब्ध है और चरम स्थिति के दौरान बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, जो एक स्थायी बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस वृद्धि के साथ, कंपनी की कुल परिचालन पवन क्षमता 2,826 मेगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी 8.0 गीगावाट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 से पहले 20 गीगावाट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण दुनिया भर के बाजार में कोहराम मचा

मुंबई ।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट देखी गई, क्योंकि शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में बिकवाली दर्ज हुई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के कारण फैली अनिश्चितता वैश्विक व्यापार में बढ़ रही है। उन्होंने कहा, कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन पर 20 प्रतिशत टैरिफ (अब एडिशनल 10 प्रतिशत लगाया गया है) की धमकियां एक्शन में बदल रही हैं। ट्रंप द्वारा लगाए गए इन टैरिफ का जवाब अभी तक नहीं पता चल सका है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ हाइक के जवाब में, कनाडा मंगलवार से 30 बिलियन कनाडाई डॉलर के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। यह आने वाले 21 दिनों में 125 बिलियन कनाडाई डॉलर के एडिशनल अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाएगा।

बाजार जानकारों के अनुसार, निफ्टी को 22,000 पर तत्काल समर्थन मिला है, इससे पहले 21,850 और 21,600 स्तर पर समर्थन है, जबकि प्रतिरोध 22,500 और इसके बाद 22,600 और 22,800 स्तर पर है। 22,000 से नीचे का ब्रेकडाउन 21,800 की ओर बिक्री दबाव को बढ़ा सकता है, जबकि 22,500 से ऊपर की रिकवरी राहत रैली को ट्रिगर कर सकती है। सूचकांक अभी भी मंदी के दौर में है और ट्रेंड रिवर्सल के लिए निर्णायक ब्रेकआउट की जरूरत है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, इंफोसिस, टाटा स्टील, एमएंडएम और टाइटन टॉप लूजर्स रहे। जबकि, केवल आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई ही टॉप गेनर्स रहे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डॉव जोन्स 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,191.24 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,849.72 पर और नैस्डैक 2.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,350.19 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, केवल बैंकॉक हरे निशान में कारोबार कर रहा था। चीन, जापान, सोल, जकार्ता और हांगकांग लाल रंग में कारोबार कर रहे थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार आठवें दिन अपनी बिकवाली जारी रखी, क्योंकि वे 3 मार्च को 4,788.29 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की बढ़त के साथ ही 87.28 पर बंद हुआ वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.38 पर खुला और फिर 87.40 पर आ गया जबकि सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की बढ़त के साथ 87.32 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 106.61 पर था। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों के कारण बढ़ते व्यापार तनाव के बीच आई है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने के कारण जारी अनिश्चितता ने वित्तीय बाजारों में हड़कंप मचा है। इसके अलावा, शुल्क अराजकता ने अमेरिकी डॉलर सूचकांक में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती

नई दिल्ली ।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत पर रह सकती है। साथ ही मानसून सीजन भी सामान्य रहेगा, जिसके कारण कमोडिटी की कीमतों में नरमी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में निजी खपत में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, निवेश वृद्धि निजी पूंजीगत व्यय पर निर्भर करेगी। रिपोर्ट में बताया गया कि कृषि उत्पादन में सुधार और खाद्य महंगाई में कमी की उम्मीद के कारण निजी खपत में और सुधार की उम्मीद है। खाद्य महंगाई में नरमी से घरेलू बजट में विवेकाधीन खर्च के लिए जगह बनेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय बजट 2025-26 में इनकम टैक्स में बढ़ाई गई छूट से खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा मौद्रिक नीति में ढील देने से भी खपत को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट में उम्मीद जाहिर की गई है कि आरबीआई वित्त वर्ष 2025-26 में रेपो रेट में 50-75 आधार अंक की कटौती कर सकता है। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देकर रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष की जीडीपी विकास दर 9.2 प्रतिशत से कम है। हालांकि, विकास दर वित्त वर्ष 2011 और 2020 के बीच महामारी से पहले के दशक के औसत 6.6 प्रतिशत के करीब बनी हुई है और इससे भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था का अपना टैग बरकरार रखने में मदद मिलेगी। चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 7.6 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत हो जाएगी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत से अधिक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई। है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ प्लान से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और विवेशी निवेशकों ने बाजार से अपना पैसा निकाल लिया। इससे भी बाजार पर भारी दबाव पड़ा।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 96.01 अंक करीब 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ ही 72,989.93 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 22 हजार के नीचे आ गया। कारोबार के दौरान यह 21,964.60 अंक के इंट्राडे लो तक चला गया था। अंत में यह 36.65 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी फिसलकर 22,082 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर सबसे ज्यादा 2.7 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इन्फोसिस, मारुति, टाइटन, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी गिरे। वहीं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुए। इसके अलावा जोमैटो, टीसीएस, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी उछले।दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बाजारों से बिकवाली जारी रही। एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिका के ज्यादा शेयर बाजार बंद रहे। प्रमुख वॉल स्ट्रीट सूचकांक में एसएंडपी 500 में 1.76 फीसदी की गिरावट जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.48 फीसदी की गिरावट जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 2.64 फीसदी की गिरावट आई। वहीं एनवीडिया के शेयर 8 फीसदी से अधिक गिरे।

ट्रंप ने मैक्सिको और कनाडा से आयातित सामानों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला भी लागू कर दिया है। इसके जवाब में, कनाडा और मेक्सिको ने भी जवाबी कदम उठाये हैं जिससे दुनिया भर में कारोबारी घमासान बढ़ने के संकेत मिले हैं। वहीं गत दिवस ट्रंप ने कहा था कि चीन से आयातित सामानों पर टैक्स को दोगुना कर कर दिया जाएगा। वहीं आज सुबह बाजारों की शुरुआत खराब रही। ट्रंप ने टैरिफ लगाने की अपनी योजना को फिर से दोहराया है। जिससे सुबह से ही बाजार नीचे आने लगा। सुबबह खुलते ही सेंसेक्स 72,633 अंक तक फिसल गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी कारोबार खुलते ही 22 हजार के नीचे फिसल गया। विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली का सिलसिला जारी है। सोमवार को एफआईआई ने भारत में 4,788.29 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचीं जबकि डीआईआई ने 8,790.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से की 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग

आरआईएल का दावा ऐसी कोई देनदारी नहीं

मुंबई ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके कंसोर्टियम पार्टनर्स बीवी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड से 2.81 अरब डॉलर के मुआवजा की मांग की है। यह विवाद ओएनसीजी के ब्लॉक्स से केजी-डी6 ब्लॉक में गैस माइग्रेशन से जुड़ा हुआ है। रिलायंस ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। यह मामला लंबे समय से विवाद का विषय बना है, जिसमें केंद्र सरकार और कंपनियों के बीच कानूनी और वित्तीय दावों पर चर्चा जारी है। आरआईएल ने कहा, ÷पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पीएससी ठेकेदारों- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको लिमिटेड पर 2.81 अरब डॉलर की मांग उठाई है। यह दावा 2018 के एक मामले से जुड़ा है, जब भारत सरकार ने केजी-डी 6 कंसोर्टियम, जिसमें रिलायंस भी शामिल है, पर ओएनजीसी के निकटवर्ती ब्लॉकों से गैस माइग्रेशन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया था।

शुरुआत में, पेट्रोलियम मंत्रालय ने कथित गैस माइग्रेशन के लिए करीब 1.55 अरब डॉलर का मुआवजा मांगा था। मामला कई कानूनी कार्यवाहियों में उलझ गया और अंततः दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया। मई 2023 में, दिल्ली हाईकोर्ट की एकल न्यायाधीश पीठ ने केंद्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें एक मध्यस्थता फैसले को चुनौती दी गई थी। इस फैसले में रिलायंस इंडस्ट्रीज के पक्ष में निर्णय दिया गया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की, जिसके बाद 3 मार्च 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने पहले के फैसले को पलट दिया।

इस फैसले के बाद, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब मांग बढ़ाकर 2.81 अरब डॉलर कर दी है। मंत्रालय ने नए कानूनी घटनाक्रम और गैस माइग्रेशन मामले के पुनर्मूल्यांकन को आधार बनाते हुए यह कदम उठाया है। रिलायंस ने कहा कि कंपनी को कानूनी सलाह मिली है कि डिवीजन बेंच का फैसला और यह प्रोविजनल मांग अस्थिर है। कंपनी दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले को चुनौती देने के लिए कदम उठा रही है।

पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के उस आदेश पर चार सप्ताह तक के लिए रोक लगा दी, जिसमें सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकल पीठ ने कहा कि विशेष अदालत का एक मार्च का आदेश बिना विस्तृत जानकारी के और आरोपी की कोई विशेष भूमिका बताए बिना यंत्रवत् पारित किया गया था। इसे लिए उच्च न्यायालय ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को याचिकाओं के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाता है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय बुच, सेबी के तीन वर्तमान पूर्णकालिक निदेशकों - अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय तथा बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राममूर्ति और इसके पूर्व चेयरमैन तथा जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर आया। याचिकाओं में विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को 1994 में बीएसई में एक कंपनी को सूचीबद्ध करते समय धोखाधड़ी के कुछ आरोपों से संबंधित उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाओं में कहा गया है कि यह आदेश अवैध और मनमाना है।

कनाडा, मैक्सिको के खिलाफ ट्रंप की शुल्क धमकी लागू होने व्यापार युद्ध शुरू

- कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा

वाशिंगटन ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको के विरुद्ध लंबे समय से दी जा रही शुल्क की धमकी अंततः मंगलवार को लागू हो गई, जिससे वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मच गई। अमेरिका के उत्तरी अमेरिकी सहयोगियों द्वारा महंगी जवाबी कार्रवाई की संभावना पैदा हो गई है। सोमवार को आधी रात से ही कनाडा और मैक्सिको से आयात पर अब 25 प्रतिशत कर लगेगा, जबकि कनाडा के ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसके अलावा, फरवरी में ट्रंप ने चीन से आयात पर जो 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था, उसे दोगुना करके 20 प्रतिशत कर दिया गया है। जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि उनका देश 21 दिनों के दौरान 100 अरब डॉलर से ज़्यादा के अमेरिकी सामानों पर शुल्क लगाएगा। मेक्सिको और चीन ने फिलहाल किसी जवाबी कार्रवाई के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति के कदमों ने उच्च मुद्रास्फीति और विनाशकारी व्यापार युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है, जबकि उन्होंने अमेरिकी जनता से वादा किया था कि आयात पर कर राष्ट्रीय समृद्धि का सबसे आसान रास्ता है। उन्होंने मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों की चेतावनियों को दरकिनार करने और अपनी खुद की सार्वजनिक स्वीकृति को दांव पर लगाने की इच्छा दिखाई है। उनका मानना है कि शुल्क देश की समस्याओं को ठीक कर सकते हैं। ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा था, यह एक बहुत शक्तिशाली हथियार है जिसका राजनेताओं ने इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि वे या तो बेईमान थे, मूर्ख थे या उन्होंने किसी अन्य रूप में पैसे कमाए थे। कनाडा और मेक्सिको के शुल्क मूल रूप से फरवरी में शुरू होने वाले थे, लेकिन ट्रंप ने दो सबसे बड़े अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के साथ आगे बातचीत करने के लिए 30-दिवसीय निलंबन पर सहमति व्यक्त की। शुल्क का घोषित कारण ड्रग तस्करी और अवैध आव्रजन को संबोधित करना है, और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने इन मुद्दों पर प्रगति की है।

छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं: स्वामीनाथन

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के महत्व को बल दिया। उन्होंने व्यापक सहानुभूति के साथ समय पर देय ऋण की महत्वता पर चर्चा की और उन्होंने कहा कि छोटे उद्यम देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। स्वामीनाथन जे ने उद्यमों के संगठित ऋण समर्थन को मजबूत करने के लिए आईआरबीआई के पहलों की तारीफ की और डिजिटल माध्यमों के महत्व को उजागर किया। उन्होंने स्थायी सलाहकार समिति की बैठक में एमएसएमई के कर्ज प्रवाह की समीक्षा की और ऋण प्रदान में सुधार करने के लिए उन्होंने डिजिटल समाधानों पर जोर दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनेक संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए और एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट, राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि., भारतीय बैंक संघ, सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट और अन्य संगठनों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। डिप्टी गवर्नर के इस संवाद के माध्यम से, यह स्पष्ट हुआ कि आरबीआई उपेक्षित सेक्टरों और छोटे उद्यमों के समर्थन में सकारात्मक कदम उठाना चाहता है। उनकी अपील और आपके संदेश ने उद्यमों के भविष्य को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मस्क की स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं जल्द शुरू करेगी

- लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरिक्ष नियामक से एलन मस्क की स्टारलिंक को जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावन जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कंपनी सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल व्यक्तिगत संचार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अधिकांश प्रावधानों का पालन करने पर सहमत हो गई है, लेकिन सुरक्षा संबंधी कुछ आवश्यकताओं पर चर्चा जारी है। संभावना है कि आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर सहमति बन जाएगी। स्टारलिंक करीब 100 देशों में अपनी इंटरनेट की सेवाएं दे रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी ने जरूरी जानकारी जमा कर दी है। यह स्टारलिंक के लिए भारत में पहली नियामक मंजूरी होगी, जिसका लक्ष्य भारत में कॉमर्शियल ब्रॉडबैंड-फॉम-स्पेस सेवाएं शुरू करना है। कंपनी उपयोगकर्ता टर्मिनलों के स्थानांतरण और उससे जुड़े प्रावधान का पालन करने के लिए सहमत हो गई है। कंपनी भारत में अपना नेटवर्क नियंत्रण और निगरानी केंद्र बनाने पर भी सहमत है। स्टारलिंक इस बात पर भी सहमत है कि वह यह भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे के माध्यम से डेटा रूट नहीं करेगा। कंपनी का फिलहाल भारत के जमीनी सीमा वाले देशों में कोई गेटवे नहीं है, लेकिन कंपनी ने प्रतिबद्ध किया है कि भविष्य में जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों में गेटवे स्थापित करती है तो वह भारत से जुड़ा डेटा उनके माध्यम से नहीं भेजा जाएगा। लेकिन, इस बार भी सुरक्षा के मोर्चों पर कई सारे प्वाइंट्स हैं, जिनको लेकर निरंतर चर्चा चल रही है। स्टारलिंक चाहती है कि भारत के साथ जल्द से जल्द सेवा शुरू करने वाले शर्तों पर आपसी सहमति बने, जिससे कि वह अपनी सेवा शुरू कर सके।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के पांच मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच महीनों से लगातार गिरावट का सफर जारी है। इस गिरावट के पीछे आंकड़े के साथ खुला नहीं रहा है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक पांच मुख्य कारणों की वजह से भारतीय शेयर बाजार गिरावट का सामना कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. ट्रंप, फेड और वैश्विक स्थिति- सितंबर के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए बाजार में सतर्कता बढ़ी। चुनाव के परिणाम से उत्पन्न अनिश्चितता ने बाजार को कमजोर किया है। इसके अलावा, ट्रंप की व्यापार नीतियों से ट्रेड वॉर की आशंका और फेडरल रिजर्व की नजर में मुद्रास्फीति की चिंता है।

2. अर्थव्यवस्था में सुस्ती- भारतीय अर्थव्यवस्था में धीमा विकास का संकेत है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता बढ़ रही है। इसके साथ ही, निवेशकों का भरोसा घट रहा है जिससे बाजार में गिरावट की स्थिति बनी हुई है।

3. कमजोर कमाई, सुधार की उम्मीद नहीं- कंपनियों के नतीजे निराशाजनक हो रहे हैं और निवेशकों की उम्मीदें कमजोर हो रही हैं। इससे कंपनियों पर बाजार में दबाव बढ़ रहा है, जिससे बाजार को गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

4. एफआईआईएस की बिकवाली- विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसा निकालने की शुरुआत कर दी है, जिसकी वजह से बाजार में अवसाद दिख रहा है। इससे शेयरों का मूड कमजोर हो रहा है।

5. रुपये की कमजोरी- भारतीय रुपये की कमजोरी और विदेशी मुद्राओं के ताजगी के चलते रुपये में तेजी से गिरावट आई है, जिससे बाजार में और भी कमी आई है। इन प्रमुख कारणों के कारण भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। इससे निवेशकों की जिम्मेदारी बढ़ गई है जिससे उन्हें सतर्क रहने और सही समय पर निवेश के फैसले लेने की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैम्पियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में आज होगा दक्षिण अफ्रीका-न्यूजीलैंड मुकाबला

लाहौर (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम जहां ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत के कारण बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं न्यूजीलैंड को अंतिम लीग में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह उबरना चाहेगी। दोनो की टीम जीत की प्रबल दावेदार हैं। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम जीत दर्ज कर उस धारणा को तोड़ना चाहेगी जिसमें कहा जाता है कि बड़े आईसीसी मुकाबलों के दौरान वह दबाव में बिखर जाती है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने साल 1998 और 2000 में एक-एक बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है पर तब इस टूर्नामेंट को आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था। न्यूजीलैंड की टीम एकदिवसीय विश्व कप (2015 और 2019) में दो बार और टी20 विश्व कप (2021) में एक फाइनल में पहुंचने के बाद भी खिताब जीतने से रह गयी थी, इसलिए इस बार वह गलती नहीं करना चाहेगी। इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड ग्रुप ए में दूसरे पर रहा जबकि दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में नंबर एक पर रही है। दोनों टीमों के बीच कोई अधिक अंतर नहीं है हालांकि गेंदबाज में दक्षिण अफ्रीकी टीम कुछ बेहतर नजर आ रही है।

दोनों टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज हैं। इस मैच में स्पिनरों के अहम भूमिका निभाने की संभावना है क्योंकि गद्दाफी स्टेडियम की पिच थोड़ी धीमी है। ऐसे में स्पिनर अंतर पैदा कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ने पिछले माह यहां हुई त्रिकोणीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को हराया था जिससे वह प्रेरित होना चाहेगा। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और फिर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती थी। कीवी टीम के अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम को लगता है कि ये अनुभव उनके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

उन्होंने हालांकि कहा, 'जिस दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ हमने खेला था वह थोड़ी अलग थी। उस टीम में बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे जो इस टीम में नहीं थे। उनके कुछ मुख्य खिलाड़ी तब एसएटी20 में खेल रहे थे, इसलिए इस बार मुकाबला अलग होगा। मेरा

अनुमान है कि हमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने में लाहौर के अपने पिछले अनुभव का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करेंगे और पूरी कोशिश करेंगे। हम सेमीफाइनल की चुनौती का इंतजार कर रहे हैं। हमारा रवैया हमेशा एक जैसा ही रहता है। हम अपनी तरह का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन भी भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेल कर लय में वापसी का प्रयास करेंगे। गेंदबाजी में टीम के पास मैट हेनरी ओर विल ओराउरकी जैसे खिलाड़ी हैं। हेनरी ने भारत के खिलाफ धीमी पिच पर सबसे अधिक आठ विकेट लिए थे। कीवी टीम के पास कप्तान मिशेल सेंटनर के अलावा माइकल ब्रेसवेल, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स और मार्क चैपमैन जैसे बेहतरीन स्पिनर भी हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका भी अच्छे फॉर्म में है। उसने अपनी सबसे अच्छी टीम उतारी है। उसके बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास कप्तान तेम्बा बावुमा, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मारक्रम जैसे खिलाड़ी भी है। इसके अलावा वियान मुल्डर, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन जैसे तेज गेंदबाज उसके ताकत बढ़ाते हैं। स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, विल ओरउरकी, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मारक्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

सचिन ने जंगल सफारी की तस्वीरें साझा कर वनों को बचाने का संदेश दिया

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जंगल सफारी का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें सचिन काफी खुश नजर आ रहे हैं। सचिन प्रकृति प्रेमी होने के कारण जंगलों की सैर से आनंद का अनुभव करते हैं। सचिन वाइल्डलाइफ डे के अवसर पर सोमवार को जंगल सफारी पर गये थे। इसी की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने एक खास संदेश भी दिया। उनकी इस तस्वीर में एक बाघ भी नजर आ रहा है। सचिन ने फेसबुक पर किए पोस्ट में लिखा,÷ जंगल में कोई वाई-फाई नहीं है, फिर भी यह आपको हर उस चीज से जोड़ता है जो वाकई मायने रखती है। इसकी हर यात्रा एक अनूठा अनुभव रही है जो प्रकृति के चमत्कारों को अपने तरीके से सामने लाती है। आइए हम अपने जंगली खजानों को बचाये रखें।÷

उनका संदेश न केवल प्रकृति की सुंदरता को सराहने की प्रेरणा देता है, बल्कि इसके संरक्षण की भी अपील करता है। जंगल और वन्यजीव हमारे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं पर तेजी से हो रहे शहरीकरण और इंसानी दखल के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर खतरा बढ़ रहा है।

गौरतब है कि सचिन संन्यास के बाद से ही कई एनजीओ से भी जुड़े हुए हैं और समाज की भलाई में लगी संस्थाओं की सहायता करते है। उनका एक एनजीओ बच्चों गरीब बच्चों की सहायता करता है। सचिन ने अपने करियर में भारतीय टीम की ओर से 200 टेस्ट, 463 एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेलकर। 15921, 18426 और 10 रन बनाए हैं। तीनों ही प्रारुपों को मिलाकर सचिन ने अब तक कुल 100 शतक लगाये हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होगा चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। लीग मुकाबलों के बाद चार टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची हैं। भारतीय टीम सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड का मुकाबला करेगी। डिविलियर्स ने भविष्यवाणी की है कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ही फाइनल खेला जाएगा। डिविलियर्स ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी के दो फाइनलिस्ट बताना संभव नहीं है पर मेरी अंतरात्मा कहती है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 विश्व कप फाइनल की तरह ही यहां भी मुकाबला करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका का मनोबल बढ़ा है।'

डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे अफ्रीकी टीम का लुक पसंद है। मार्को जेनसन शानदार फॉर्म में हैं, क्लासेन जैसे खिलाड़ी फॉर्म में हैं। रासी वैन डेर डुसेन, केशव महाराज सभी। मुझे लगता है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल बेहद रोमांचक होगा हालांकि आप निश्चित रूप से न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की उपेक्षा नहीं कर सकते। ये दो भी उतनी ही मजबूत टीमें हैं। विशेषकर जब आईसीसी ट्रॉफी की बात आती है। तो भारतीय टीम इंडिया ने पिछले साल बारबाडोस के केंसिंग्टन में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

पूर्व पाक क्रिकेटर ने भारतीय टीम को दी चुनौती, बेहतर है तो खेलें 10-10 मुकाबले

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सहित उसके दिग्गज क्रिकेटर भारतीय टीम को पाक दौरे पर भेजने का लगातार अनुरोध करते रहे है पर भारतीय बोर्ड सुरक्षा कारणों से उसे ठुकराता रहा है। पीसीबी ने आईसीसी के जरिये भी भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया था पर जब आईसीसी ने मना कर दिया तो पाक के पूर्व क्रिकेटर घटिया स्तर पर उतर आये हैं। इस कड़ी में पाक के पूर्व स्पिन गेंदबाज सकलेन मुश्ताक ने भारतीय टीम को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय टीम वास्तव में हमसे बेहतर टीम है तो पाकिस्तान के साथ 10 टेस्ट, 10 एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलकर दिखाये। सकलेन ने ये बात पाकिस्तानी मीडिया में कही।

इस दौरान वहां पूर्व क्रिकेटर इंजमाम-उल-हक भी उपस्थित थे। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंदिता पर कई पूर्व दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा कि ये अब पहले की तरह रोमांचक नहीं रही क्योंकि अब मुकाबले एकतरफ हो रहे हैं क्योंकि पाक टीम काफी कमजोर हो गयी है। हाल के मैचों में भारत का प्रदर्शन पाकिस्तान से कहीं बेहतर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत ने पाकिस्तान को आसाने से हरा दिया था।

वहीं सकलेन इस बात से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर हम राजनीतिक बातों को छोड़ दें तो उनके खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। सकलेन ने साथ ही कहा, अगर आप सच में एक अच्छी टीम हैं, तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान के खिलाफ एक-एक सीरीज खेलें तब सब कुछ साफ हो जाएगा। सकलेन का मानना है कि कुछ मैचों के आधार पर दोनों टीमों की तुलना करना सही नहीं है। ज्यादा मैच खेलने से असली तस्वीर साफ होगी। सकलेन ने भी माना कि इस समय पाकिस्तान टीम में सब कुछ ठीक नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि सही इरादे से इसे ठीक किया जा सकता है।

सकलेन मुश्ताक ने कहा, अगर हम अपनी तैयारी सही तरीके से करें और चीजों को सही दिशा में ले जाएं, तो हम ऐसी स्थिति में होंगे जहां हम दुनिया और भारतीय टीम को भी करारा जवाब दे सकते हैं। भारतीय टीम अभी पाकिस्तान के साथ केवल आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में ही खेलती है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज फिलहाल नहीं हो रही है। ऐसे में सकलेन की चुनौती को स्वीकार किया जाना मुश्किल लग रहा है।

आईपीएल के लिए अभ्यास में लगी है पंजाब किंग्स

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की टीम इसी माह शुरु होने वाले आईपीएल के 18वें सत्र की तैयारियों में लग गयी है। इस बार पंजाब की टीम नये कप्तान रेयस अय्यर के साथ उतरेगी। आईपीएल कार्यक्रम जारी होने के बाद से ही पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया। टीम यहां के धर्मशाला स्टेडियम में अभ्यास कर रही है। अभ्यास में प्रभ सिमरन सिंह, शशांक सिंह, यजुवेंद्र चहल सहित करीब 10 खिलाड़ी शामिल रहे। इस अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने पिच पर भी अभ्यास कर उनका अंदाजा लेने का प्रयास किया। इस दौरान एचपीसीए के खिलाड़ियों को भी पंजाब के खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने का अवसर मिला। वहीं इस सत्र के साथ ही पंजाब की टीम यहां अभ्यास मैच भी खेलेगी। इन मैचों का आयोजन मौसम के हालात पर निर्भर करेगा, साथ ही यह मैच किसके साथ होगा, यह इसकी स्थिति भी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है गौरतलब है कि पंजाब किंग्स के लिए घरेलू मैदान माने जाने वाले धर्मशाला स्टेडियम में इस साल 3 आईपीएल मैच खेले जाएंगे। इन 3 मैचों में पंजाब की टीम का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगा। पंजाब की टीम को उम्मीद है कि जिस प्रकार पिछले सत्र में श्रेयस ने केकेआर को जीत दिलायी थी। उसी प्रकार वह उसे भी जीत दिलाएगी।

बाबा निराला की शरण में पहुंचे चहल

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल आजकल खराब दौर से गुजर रहे हैं। पत्नी धनश्री वर्मा से भी उनका तलाक को गया है। वहीं इसी बीच चहल का एक ऐसा वीडिया सामने आया है जिसे देखकर आप हंसे बिना नहीं रह पायेंगे। इस पोस्ट में परेशान नजर आ रहे चहल बाबा निराला से सहायता मांगते दिख रहे हैं। पिछले हफ्ते एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सत्र का दूसरा पार्ट रिलीज हुआ था और इस सीरीज में बॉबी देओल ने बाबा निराला की भूमिका निभाई थी। चहल, बाबा निराला के दरबार पहुंचते हैं, जिससे उनका सलामी बल्लेबाज बनने का सपना पूरा हो सके। चहल कहते हैं, ' कृपया मुझे सलामी बल्लेबाज बना दो।' बाबा कहते हैं, 'तथास्तु।' इसके तुरंत बाद युजवेंद्र चहल पानी की बोतलें, टिफिन और जाम दरवाजे खोलते दिखाई देते हैं। चहल इसके बाद कहते हैं, 'अच्छा ओपनर बना दिया बाबा।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बाबा निराला कहते हैं, 'बाबा के आश्रम से कोई भी खाली हाथ नहीं जाता।' वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इस वीडियो को मजेदार बताया है।

आईपीएल 25 में नई जर्सी में नजर आयेंगे केकेआर के खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आईपीएल 2025 में नई जर्सी में नजर आयेगी। गत विजेत केकेआर ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर जो नई जर्सी पेश की गयी है उसमें तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। गौरतलब है कि केकेआर ने अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब जीता है। इस तरह से यह तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भी बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी लगा है।

केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी

किया है। इस वीडियो में 'कुछ कुछ होता है' फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है, कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सत्र के लिए हालांकि अभी तक टीम के कप्तान को नाम सामने नहीं आया है। वहीं हाल ही में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया गया तो वह कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। आईपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबले के साथ होगी। इसका समापन भी 25 मई को इसी जगह होगा।

एशियाई चैंपियंस लीग : रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल-नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल-नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन दुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल-साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

अब रिचर्ड्स बोले, दुबई में खेलने का भारतीय टीम को मिल रहा लाभ

-आईसीसी एक ही जगह मैच रखने पर जवाब दे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आलोचना की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि आईसीसी ने भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में रखे हैं जिसका लाभ उसे मिल रहा है। रिचर्ड्स से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस और कुछ अन्य क्रिकेटरों ने भी कहा था कि दुबई में ही मैच होने से भारतीय टीम को लाभ हुआ है जबकि अन्य टीमों को अलग-अलग मैच स्थलों पर जाना पड़ रहा है। रिचर्ड्स के अनुसार भारतीय टीम को एक ही जगह खेलने की सुविधा दी गयी है जिसको लेकर उन्होंने सवाल भी उठाये हैं। रिचर्ड्स ने ये भी कहा कि आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को पता नहीं था कि उनके सेमीफाइनल मुकाबले कहां होंगे जबकि भारतीय टीम को पता था कि उ से दुबई के एक ही मैदान पर खेलना है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने भी ये सवाल उठाया था। रिचर्ड्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के दौरान कहा, हो सकता है कि लोगों का अनुमान सही हो। मुझे भी लगता है कि ऐसा राजनीति के कारण होता है। मैं राजनीति पक्ष में नहीं जाना चाहता पर मेरा मानना है कि आईसीसी को इस बारे में विचारा करना चाहिये था। आईसीसी की ही ये समस्या है और उसे जवाब देना चाहिये।

रोहित पर टिप्पणी करने वाली कांग्रेस नेता शमा पर भड़के हरभजन -पूछा क्या फिटनेस कोच हैं शमा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि किसी को भी टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर विवादस्पद टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। अपने इस बयान से हरभजन ने रोहित को मोटा और औसत कप्तान करने वाली कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद को करारा जवाब दिया है। हरभजन ने कहा कि रोहित ने एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को अपनी सेवाएं दी हैं और अभी भी वह टीम का नेतृत्व काफी अच्छी तरह से कर रहे हैं। साथ ही कहा कि रोहित एक महान खिलाड़ी हैं, जिन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है। वह अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं और अपनी फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर टीम में बने हुए हैं। अगर उनकी फिटनेस ठीक नहीं होती, तो वह टीम का हिस्सा नहीं होते।

हरभजन ने शमा को दिये अपने करारे जवाब में कहा कि टीम में शामिल होने के लिए कई स्तरों की फिटनेस से गुजरना पड़ता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या शमा फिटनेस कोच हैं, बीसीसीआई की अध्यक्ष हैं या किसी खेल से जुड़ी हुई हैं, जो रोहित की फिटनेस को कम बता रही हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने तथ्यों को सही तरीके से समझा है। उन्होंने आगे कहा कि रोहित की तुलना किसी ऐसे खिलाड़ी से की जा रही है, जो अभी भी टीम में हैं, लेकिन यह तुलना बिल्कुल भी सही नहीं है। मुझे लगता है कि शमा को फिटनेस के सही मापदंडों की ही जानकारी नहीं है। हमें सिर्फ रोहित शर्मा की फिटनेस या व्यक्तिगत मामलों पर चर्चा करने के बजाय उनके योगदान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वहीं इससे पहले कांग्रेस नेता शमा ने रोहित की फिटनेस को लेकर सवाल उठाए थे। शमा ने सोशल मीडिया पर कहा था कि उनका वजन अधिक है और वह एक कुशल कप्तान भी नहीं है पर किस्मत से यहां तक पहुंच गये हैं।

नीदरलैंड के दिग्गज ताइकेमा भारतीय महिला ड्रैग फ्लिकर के साथ काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक अल्पकालिक आधार पर राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम के ड्रैग फ्लिकर के साथ काम करने के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ताइके ताइकेमा से करार किया है। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में भारत के एफआईएच प्रो लीग अभियान से पहले 10 से 16 फरवरी तक सात दिवसीय शिविर में भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था।

भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ मुकाबला किया था। इस सात दिवसीय शिविर में दीपिका, मनीषा चौहान, सोनम और अन्नू जैसी खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ जूनियर खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। मैंने हॉकी इंडिया से उन्हें इस क्षेत्र में सुधार करने में हमारी मदद करने के लिए लाने का अनुरोध किया। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।''

हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने इससे दीपिका के प्रदर्शन में सुधार का जिक्र करते हुए कहा, '' हमने दीपिका के साथ निश्चित प्रगति देखी है, खासकर हाल के प्रो लीग मैचों के दौरान।''

इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है। वह 2002 और 2006 चैंपियंस ट्रॉफी, 2006 विश्व कप, 2008 ओलंपिक खेलों और 2010 एफआईएच विश्व कप सहित कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शीर्ष स्कोरर थे। उन्होंने 2022 से 2024 तक चीन की महिला टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया।

दीपिका ने भी कहा कि उन्हें शिविर से बहुत लाभ हुआ। प्रो लीग में पेनल्टी कॉर्नर से अपने तीन में से दो गोल करने वाली दीपिका ने कहा, ''यह सिर्फ एक सप्ताह का शिविर था, लेकिन यह एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। मैंने इस दौरान फुटवर्क, शॉट रिलीज और

फिनिशिंग को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। इससे मुझे उन तकनीकी समायोजनों की स्पष्ट समझ मिली जिसे मुझे करने की जरूरत थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रूपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवर आर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि :सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय : किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं :

● इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई ● फिलमिट अकादमी, मुंबई ● वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में सपा नेता की गला रेत कर हत्या, गांव में तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

जौनपुर (एजेंसी)। यूपी के जौनपुर में बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी नेता की गला काट कर हत्या कर दी। उनका शव परियावा गांव में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। हत्या के बाद वहां लोगों में आक्रोश फैल गया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र परियावां गांव के रहने वाले राजेश यादव नाटे सक्रिय सपा कार्यकर्ता थे। वह बूथ अध्यक्ष थे। सोमवार देर रात उनका शव गांव के ही टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। उनका गला काटकर हत्या की गइ थी। किसी ने सपा नेता का शव देखा तो शोर मचाया। सपा नेता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस को लोगों से पूछताछ चुनावी रंजिश और वर्चस्व में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सपा नेता की हत्या की सूचना मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में कहा कि मृतक राजेश यादव हमारे पार्टी का बूथ अध्यक्ष थे, जो रात में बाजार से घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने राजेश यादव की हत्या कर फरार हो गए। वहीं कानून व्यवस्था पर भी सपा जिलाध्यक्ष राकेश ने सवाल उठाए हैं। एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हत्या की जांच शुरू कर दी गई है और टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

ओडिशा हाईकोर्ट ने 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात की अनुमति दी

कटक (एजेंसी)। ओडिशा हाईकोर्ट ने 6 माह (27 हफ्ते) की गर्भवती 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात (अबॉर्शन) की अनुमति दी है। पीड़िता सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है। कोर्ट ने माना कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के जीवन और सेहत को गंभीर खतरा है। बीमारियों की वजह से बच्चे को जन्म देना उसके लिए बहुत खतरनाक हो सकता था। कंधमाल निवासी पीड़ित अनुसूचित जाति (एससी) से है। पिछले साल एक लड़के ने उसके साथ कई बार रेप कर जान से मरने की धमकी दी। इस डर से बच्ची ने घर पर कुछ नहीं बताया। जब बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, तब मां डॉक्टर के पास ले गई। इसके बाद रेप का मामला सामने आया। 11 फरवरी को पीड़ित के माता-पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई। बच्ची की मेडिकल जांच हुई। जांच में प्रेग्नेंसी सामने आई। इसके बाद मामला उड़ीसा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां बच्ची के पिता ने गर्भपात की इजाजत मांगी। इसके बाद कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया था। बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को गंभीर खतरा होगा। रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की।

मार्च में ही गर्मी दिखाने लगी असर, कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री पार

-होली पर गर्म हवाएं चलने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार मार्च में तेज गर्मी झेलनी पड़ सकती है। सर्दी के मौसम में तुलनात्मक रूप से बारिश कम हुई है। इसके असर से तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मार्च में कई जिलों में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आगरा गर्म रहने वालों जिलों में से एक है। बुधवार से यहां दिन में तेज हवाएं चलेंगी। इस बार मार्च से मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं, बल्कि हीटवेव में भी इजाफा हो सकता है। होली पर भी लू चल सकती है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रही। यही कारण है कि सामान्य से 88 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इससे फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा है। इन गर्मियों में भी पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रहने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियों के आगामी सीजन के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में संभावित परिवर्तन के आसार हैं। मौसम विभाग की मानें तो बुधवार और गुरुवार को आगरा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इन दोनों दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा में दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तामपान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता 75 फीसदी रही है। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य के प्रति सावधानी जरूरी है।

पाकिस्तानी लड़की ने की सीआरपीएफ जवान से शादी, 15 दिन के वीजा पर आई भारत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के भलवाल गांव में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद ने पाकिस्तानी दुल्हन मनेल खान से शादी की है। मनेल 15 दिन के वीजा पर भारत आई हैं। ये शादी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई थी। भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के बीच यह शादी चर्चा का विषय बन गई है। मुनीर अहमद सीआरपीएफ में जवान हैं और शिव खोरी, रियासी जिले, जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। उनकी दुल्हन मनेल खान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरांवाला इलाके के मोहम्मद असगर खान की बेटी हैं। 24 मई 2024 को दोनों ने अनोखे अंदाज में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शादी की थी, क्योंकि वीजा मिलने में दिक्कत थी। शादी के बाद मनेल को 15 दिन का वीजा मिला। इसके बाद वह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत आईं हैं। ससुराल वालों ने उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया। मनेल के आने की खबर सुनकर गांव वाले भी उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़े।

क्या दक्षिण भारत से होगा बीजेपी का नया अध्यक्ष? इन नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी को होली के बाद और 21 मार्च से पहले किसी भी समय अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की संभावना है। इसको लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जाता है कि 21 से 23 मार्च तक बैंगलोर में होने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक से पहले भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। हालांकि, भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा, इसपर फैसला अब तक नहीं हो सका है। हालांकि, कई नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी संविधान के तहत 50 फीसदी राज्यों में संगठन चुनाव को लेकर भाजपा नए सिरे से सक्रिय हो गई है। चयनित राज्यों को 14 मार्च तक संगठन चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। अब तक, पार्टी 50 प्रतिशत की कसौटी पर खरा उतरने के लिए आवश्यक 18 राज्यों में से केवल 12 में ही संगठनात्मक चुनाव करा पाई है। बीजेपी के एक सूत्र की मानें तो अगले कुछ दिनों में पार्टी बाकी छह राज्यों में अपने संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

आने वाले वर्षों में भाजपा का मुख्य फोकस दक्षिण पर होगा, इसलिए संभावना है कि अगला भाजपा अध्यक्ष विंध्य के दक्षिण से आएगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, जो आंध्र प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष भी थे, का नाम चर्चा में है। संयोग से, वह उस राज्य से आते हैं जिसने बंगारू लक्ष्मण को जन्म दिया, जो आगे चलकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। एक और नाम जो दक्षिण से चर्चा में है वह आंध्र प्रदेश से भी है - दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, जो वर्तमान में एनडीए शासित राज्य में भाजपा प्रमुख हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर से विधायक वनाथी श्रीनिवासन की भी चर्चा हो रही है। हालाँकि, पिछले साल की शुरुआत से, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावड़े और भूपेन्द्र यादव का नाम लगातार उनकी संगठनात्मक क्षमता और टीम वर्क मानसिकता के कारण संभावितों में शामिल हो रहा है। जब उनसे अगले संभावित बीजेपी अध्यक्ष के बारे में पूछा गया तो बीजेपी सूत्र ने हंसते हुए कहा, 'हम भी उतना ही जानते हैं जितना आप अगले बीजेपी अध्यक्ष के बारे में जानते हैं। दरअसल, हम नए नामों के बारे में जानने के लिए टीवी या वेबसाइट देखते हैं।'

किसान चंडीगढ़ कूच करते उसके पहले ही पुलिस ने कर दिया बड़ा एक्शन, कई नेता हिरासत में

टांडा (एजेंसी)। पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 5 मार्च को चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन के ऐलान के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। इसके चलते पुलिस ने अनेक किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। जानकारी अनुसार किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को रात करीब 2:30 बजे हिरासत में लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष जंगवीर सिंह चौहान को टांडा पुलिस ने सुबह 4 बजे उनके गांव रसूलपुर से हिरासत में लिया। बीकेयू कादियां के जिला लुधियाना अध्यक्ष हरदीप सिंह ग्यासपुरा, मोहन सिंह संधेर, और बलबीर सिंह खीरनिया को भी हिरासत में लिया गया। समराला विधानसभा क्षेत्र में करीब एक दर्जन जगहों पर छापेमारी कर कई अन्य किसान नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि सीएम भगवंत मान और किसान नेताओं के बीच चली बैठक बेनतीजा रही है। चंडीगढ़ कूच से पहले किसान संगठनों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन बैठक विवादों में घिर गई। सीएम भगवंत मान ने किसानों से चक्का जाम और आंदोलन न करने की अपील की, लेकिन किसानों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे सीएम बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए। इस बैठक के बाद सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा— सड़कों और रेल को रोकना किसी समस्या का हल नहीं है। इससे आम जनता को परेशानी होती है और कारोबार प्रभावित होता है।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले डीके शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खड़गे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है, इसलिए मैं गया।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खड़गे को बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय के शिलान्यास समारोह में भी आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय की नींव रख रहे हैं। मैंने उन्हें इसके लिए भी आमंत्रित किया है। इससे पहले, मोइली ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नेतृत्व और पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों से यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ-वहाँ बयान हो सकते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवकुमार का नेतृत्व श्रद्धेय जैन देवता की तरह फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि आपने (डीके शिवकुमार) अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी बनाई है। लोग बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसे लेकर उत्तेजित होने की जरूरत नहीं है। आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री बनना कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए, यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित किया है।

आकाश आनंद का हो रहा था नया गुट तैयार, मायावती ने दिखाया बाहर का रास्ता

-बसपा सुप्रीमो के करीबी नेताओं की हो रही थी उपेक्षा, इसलिए उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती इस वक्त फुल एक्शन में हैं। वह अचानक लिए फैसलों से सबको हैरान कर रही हैं। इस बार तो उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को ही पार्टी से निकाल दिया है। पहले आकाश आनंद को मायावती ने नेशनल कॉर्डिनेटर के पद से हटाया और फिर सोमवार को उन्हें बसपा से ही बाहर निकाल दिया। उनके इस फैसले को पार्टी के अंदर पैदा हुए संकट से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद को मायावती ने उत्तराधिकारी घोषित किया था तो दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों का प्रभारी भी बनाया था। वह चुनाव की कमान संभाल रहे थे। उम्मीदवार उनके स्तर पर तय हो रहे थे तो वहीं प्रचार का भी वही नेतृत्व कर रहे थे। 2017 में आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। इसके बाद 2019 में आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया। 2023 में उन्हें अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया। कुछ महीने सब ठीक चला, लेकिन लोकसभा चुनाव में आकाश के आक्रामक तेवरों और सीधे पीएम मोदी पर हमले को मायावती ने सही नहीं माना। उन पर एफआईआर हुई तो पद से ही हटा दिया। फिर से वापसी कराई गई तो आकाश को फिर सभी जिम्मेदारी मिल गई, लेकिन अब बाजी फिर पलट गई। बुआ मायावती ने आकाश से सारे पद छीने लिए हैं और उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि आकाश का अपना एक गुट तैयार हो गया था। यह गुट मायावती के करीबी नेताओं की उपेक्षा कर रहा था। इससे बचने के लिए उन्होंने भतीजे को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है और यह भी साफ कर दिया है कि कोई उनका राजनीतिक वारिस नहीं होगा। इस तरह उन्होंने सत्ता का कोई दूसरा केंद्र उभरने की संभावना ही खत्म कर दी है। रामजी गौतम को भी राष्ट्रीय संयोजक बनाया है, जो उनके बेहद करीबी हैं।

बसपा के कुछ नेताओं का कहना है कि आकाश आनंद को कमान मिली तो रामजी गौतम साइडलाइन हो गए थे। इसके अलावा भी मायावती के कई करीबी किनारे लगे थे। ऐसे में मायावती ने भतीजे को ही हटाना सही समझा ताकि कोई दूसरा गुट न उभर सके।

पहले से कमजोर बसपा में गुटबाजी होना उनके लिए चिंता की बात है। आकाश पर एक आरोप फंड में गड़बड़ी का भी लगा है। मायावती ने उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर किया था और उनसे करीबी बनाए रखने की सजा भी उन्होंने भतीजे को दी है। इस तरह मायावती ने यह संदेश भी दिया है कि उनके लिए सब एक समान हैं। यदि कोई परिवार का है तो उसे वह कोई छूट नहीं देंगी।

फास्टैग में लो बैलेंस या भुगतान में देरी हुई तो देना होगा अतिरिक्त शुल्क

-सरकार के सख्त कदम से गलत टोल कटौती के मामलों में आई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाए हैं और गलत टोल कटौती के मामलों में भारी कमी दर्ज की है। फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम है, जो गाड़ी के फ्रंट शीशे पर लगाया जाता है और आपके प्रीपेड वॉलेट से जुड़ा होता है। जब वाहन टोल प्लाजा से गुजरता है, तो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के अपने आप भुगतान हो जाता है। एनपीसीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2024 में फास्टैग लेनदेन 6 फीसदी बढ़कर 38.2 करोड़ हो गए, जबकि इसका कुल मूल्य 9 फीसदी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपए हो गया।

कई बार टोल ऑपरेटर वाहन का गलत नंबर दर्ज कर देते हैं। जब फास्टैग ठीक से स्कैन नहीं करता तो ऑपरेटर मैन्युअल रूप से एंट्री करता है, जिससे गलत कटौती हो जाती है। स्कैनर में तकनीकी दिक्कत या सिस्टम एरर के कारण भी यह समस्या आती है। गलत टोल कटौती के मामलों पर हाईवे ने सख्ती बरती है। कम से कम 250 मामलों में टोल ऑपरेटरों को दंडित किया है। टोल प्रबंधन इकाई ने 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया। इस सख्ती से 70 फीसदी तक मामलों में कमी आई और अब हर महीने 50 शिकायतें मिल रही हैं।

सरकार ने फास्टैग को लेकर नए नियम लागू किए हैं जिसमें अगर फास्टैग में लो बैलेंस है या भुगतान में देरी होती है, तो अतिरिक्त शुल्क देना होगा। टोल से गुजरने के 10 मिनट बाद तक फास्टैग सक्रिय नहीं रहा, तो लेनदेन अस्वीकार हो जाएगा। टोल पार करने के 15 मिनट बाद भुगतान होने पर अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। बैंकों और डिजिटल वॉलेट्स से फास्टैग खरीदा जा सकता है। टोल प्लाजा और पेट्रोल पंप पर भी फास्टैग उपलब्ध होते हैं। इसे समय-समय पर रिचार्ज करना जरूरी है। एनएचएआई की कड़ी निगरानी और सख्त जुर्माने से गलत फास्टैग कटौती के मामले कम हुए हैं, लेकिन अगर आपके साथ यह समस्या हो, तो शिकायत दर्ज कराकर पैसे वापस लिए सकते हैं।

यूपी विधानसभा के प्रवेश द्वार पर थूका पान मसाला, भड़क गए अध्यक्ष

कहा- सदन की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक अनुशासनहीन की घटना पर नाराजगी जताई है। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला खाकर थूके जाने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल वहां जाकर सफाई करवाई और इस अव्यवस्थित व्यवहार की भर्त्सना की।

इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महाना ने कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है, लेकिन किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि यदि भविष्य में वे किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

अध्यक्ष महाना ने कहा कि जिसने यह कार्य किया है, वह खुद आगे आकर स्वीकार करे, अन्यथा उन्हें बुलाना पड़ेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यूपी विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। सत्र के 9वें दिन मंगलवार को बजट पर चर्चा हुई। इससे पहले सोमवार को सदन में काफी गहमागहमी हुई थी। सपा के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए जाने और कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए के प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वॉक-आउट कर दिया था। इसके साथ ही विधानसभा में सोमवार को चार विभागों गन्ना, सिंचाई, कृषि और एमएसएमई विभाग का बजट पास हुआ। इसके साथ ही ऊर्जा और नगर विकास विभाग का बजट पेश हुआ।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभाग के परिव्य को चुकाने और जरूरी खर्चों के लिए 9075 करोड़ 3 लाख 96000 रुपए का प्रस्ताव रखा। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 14033 करोड़ 8 लाख 47 हजार 3000 का बजट पेश किया। गन्ना विकास एवं चीनी मिले मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने 769 करोड़ 5 लाख 83 हजार और लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने 3209 करोड़ 84 लाख 24000 रुपये बजट पेश किया। कटौती प्रस्तावों पर चर्चा के बाद इसे पास किया गया। इसके साथ ही नगर विकास और ऊर्जा विभाग का बजट भी पेश किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायलों को अब मिलेगा डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज

-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना में घायलों को इसी माह से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम निजी हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो कि सफल साबित हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि घायल को

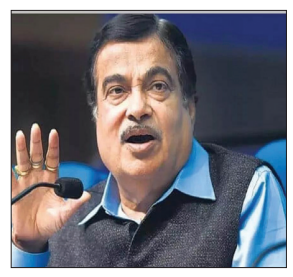

पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू होगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेगा। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की थी। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना को देशभर में अधिकारी रुप से लांच करने की घोषणा की। इस योजना के तहत देश में कहीं भी सड़क एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे घायल शख्स 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा।

डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है, तब बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके।

अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जाएगा भ्रष्टाचार

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- आरोप लगाकर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

इस मामले में अधिकारी पहले हाईकोर्ट गए थे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां कोर्ट ने अवैध लाभ की ठोस मांग और स्वीकार्यता के अभाव में मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से अथॉरिटी के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। अब रिश्वत की मांग और स्वीकार्यता का प्रमाण जरूरी होगा, केवल शक्ति के दुरुपयोग के आधार पर भ्रष्टाचार का मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सिर्फ प्रशासनिक गलतियों को भ्रष्टाचार नहीं माना जाएगा। अधिकारियों पर लगाए जाने वाले आरोपों की जांच में अब अधिक सबूतों की जरूरत होगी। सजा केवल तभी मिलेगी जब रिश्वत लेने या देने के पुख्ता सबूत होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जॉर्डन के सैनिक की गोली से भारतीय नागरिक की मौत

अम्मान, एजेंसी। इजराइल-जॉर्डन सीमा पर एक भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उसकी पहचान केरल के थुंबा निवासी एनी थॉमस गेब्रियल (47) के तौर पर हुई है। गेब्रियल चोरी से इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी उसे जॉर्डन के सैनिक ने गोली मार दी।जॉर्डन में स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना के बारे में जानकारी साझा की है। दूतावास ने कहा कि वे मृतक के परिवार के संपर्क में हैं और उसके शव को लाने की कोशिश में जुटे हैं। मृतक गेब्रियल के परिवार ने बताया है कि उन्हें बीते 1 मार्च को भारतीय दूतावास की ओर से एक ईमेल मिला जिसमें एनी थॉमस गेब्रियल की मौत की पुष्टि की गई। इसमें बताया गया कि घटना 10 फरवरी की है। रिश्तेदार के मुताबिक, गेब्रियल 5 फरवरी को तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कह कर निकला था। लेकिन वह चार लोगों के साथ एक एजेंट की मदद से जॉर्डन पहुंच गया। चारों लोग 3 महीने के पर्यटन वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे। यहां से वे इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। जॉर्डन की सेना ने उन्हें सीमा पर रोक लिया, लेकिन जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तो सैनिकों ने उन पर गोलियां चला दीं।

इजराइल ने गाजा में मानवीय मदद की एंट्री रोकी, दूसरे फेज के सीजफायर पर सहमति न बनने के चलते लिया फैसला

गाजा, एजेंसी। इजराइल ने रविवार को गाजा में जानी वाली मदद पर एंट्री बैन कर दी है। शनिवार को इजराइल और गाजा के बीच पहले फेज का सीजफायर खत्म हो गया। अगले फेज के लिए कोई सहमति न बनने के चलते इजराइल इससे पीछे हट गया है। इजराइली पीएम के ऑफिस ने इस फैसले को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है लेकिन ये चेतावनी दी है कि अगर हमास सीजफायर जारी रखने के अमेरिकी प्रस्ताव को नहीं मानेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। दरअसल, इजराइल ने अमेरिका समर्थित एक प्रस्ताव को अपनाने की बात कही थी, जिसके तहत रमजान और पासओवर के दौरान सीजफायर जारी रखने की योजना थी। इसके बदले, गाजा में बचे हुए आधे बंधकों को रिहा करने की शर्त रखी गई थी।

बोलीविया में बस दुर्घटना में 37 लोगों की मौत, 39 घायल

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया के पोटोसी क्षेत्र में शनिवार (स्थानीय समयानुसार) सुबह सात बजे दो बसों की भिड़ंत हो गई। हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। जबकि 39 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा उयूनी और कोलचानी के बीच हुआ, जब एक बस सड़क की विपरीत लेन में चली गई। पोटोसी के विभागीय पुलिस कमांड के प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को उयूनी शहर के चार अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस कर्मी हादसे में मरे लोगों और घायलों की पहचान करने में लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बस ओरुरो जा रही थी, जहां एक बड़ा कार्निवल समारोह चल रहा है। अधिकारियों को शक है कि जीवित बचे ड्राइवरों में से एक ने दुर्घटना से पहले शराब पी थी। यात्रियों ने कथित तौर पर उसे शराब पीते हुए देखा था।

पुतिन को बातचीत की मेज पर लाने का प्रयास, रुबियो बोले- यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता की संभावना के बारे में चल रही चर्चाओं पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस समय की प्राथमिकता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है। रुबियो ने एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आश्वासन तभी सार्थक हो सकते हैं, जब पहले शांति समझौता हो। रुबियो ने कहा, सुरक्षा गारंटी- जिसे मैं निवारण कहना पसंद करता हूं- सभी शांति होने पर निर्भर हैं। हर कोई शांति के लिए सुरक्षा गारंटी की बात कर रहा है, लेकिन हमें पहले शांति स्थापित करनी होगी। हालांकि, हम नहीं जानते कि शांति संभव है या नहीं।

लंदन शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की ने की यूरोप के मजबूत समर्थन की प्रशंसा

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार (स्थानीय समय) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन को मिले समर्थन के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने यूक्रेन की स्वतंत्रता और सुरक्षा का समर्थन करने में यूरोप द्वारा अपनाए गए एकजुट रुख पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि लंदन में शिखर सम्मेलन यूक्रेन और हमारे साझा यूरोपीय भविष्य को समर्पित था.

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम यूक्रेन, हमारे लोगों - सैनिकों और नागरिकों दोनों के लिए और हमारी स्वतंत्रता के लिए मजबूत समर्थन महसूस करते हैं. जेलेंस्की ने यूरोप के भीतर उच्च स्तर की एकता पर भी प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि यह लंबे समय से नहीं देखा गया था.

उन्होंने लिखा कि हम यूरोप में मिलकर सच्ची शांति और गारंटीकृत सुरक्षा की खोज में अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक ठोस आधार स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं. यूरोप की एकता असाधारण रूप से उच्च स्तर पर है, जो लंबे समय से नहीं देखी गई है. उन्होंने कहा कि हम अपने भागीदारों के साथ सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण शांति की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं. जेलेंस्की ने कहा कि निकट भविष्य के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें और निर्णय तैयार किए जा रहे हैं. उन्होंने यूक्रेन के लिए एक स्थिर और गारंटीकृत शांति का समर्थन करने के लिए वैश्विक समुदाय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि मैं यूक्रेन में एक स्थिर और गारंटीकृत शांति लाने के लिए अपने सभी मित्रों और भागीदारों के प्रयासों के लिए उनका आभारी हूं. उन्होंने कहा कि संयुक्त ताकत हमारे भविष्य की रक्षा कर सकती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन के दौरान, यूके के प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि यह अधिक बातचीत का समय नहीं है।

यूक्रेन अभी भी अमेरिका के साथ खनिज सौदा करने को तैयार: जेलेंस्की

लंदन, एजेंसी। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वह बिना किसी समझौते के जाने के बावजूद अमेरिका के साथ खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अभी भी तैयार हैं. लंदन में पत्रकारों से बात करते हुए, जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात कठिन रही. हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि यूक्रेन अपने सहयोगियों के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है, उन्होंने कहा कि मैं बस इतना चाहता हूं कि यूक्रेनी स्थिति को सुना जाए. खनिज सौदे को मूल रूप से दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया था. हालांकि, इस बीच अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ गया है. खासकर रूस के साथ शांति वार्ता को कैसे संभाला जा रहा है. ओवल ऑफिस में जेलेंस्की, ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच तीखी नोकझोंक के बाद स्थिति और खराब हो गई, जहां यूक्रेनी नेता समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना चले गए. अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सीबीएस न्यूज को बताया कि शांति समझौते के बिना आर्थिक समझौता करना असंभव है. उन्होंने बातचीत को निजी रखने के बजाय सार्वजनिक रूप से चर्चाओं को पुनः शुरू करने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की. असहमति के बावजूद, जेलेंस्की ने कहा कि अगर उन्हें आमंत्रित किया जाता है तो वे व्हाइट हाउस जरूर जायेंगे.

ऑस्कर 2025 : एड्रिअन ब्रॉडी को बेस्ट एक्टर , मिकी मेडिसन रहीं बेस्ट एक्ट्रेस

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में 'द ब्रूटलिस्ट' के सितारे बुलंद हैं। 10 कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'द ब्रूटलिस्ट' की झोली में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड गिरा। वहीं, मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड अपने नाम किया। 23 कैटेगरी (श्रेणियों) में ऑस्कर विजेताओं की घोषणा हो चुकी है। सबसे ज्यादा 5 अवॉर्ड फिल्म अनोरा ने बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्शन, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट एडिटिंग, बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में जीते। वहीं दूसरे नंबर पर द ब्रूटलिस्ट को 3 अवॉर्ड मिले हैं।

'द ब्रूटलिस्ट' को अलग-अलग कैटेगरी में कुल 10 नॉमिनेशन मिले थे। मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। 'द ब्रूटलिस्ट' के निर्माता-निर्देशक ब्रैडी कॉर्बेट हैं। द ब्रूटलिस्ट एक आर्किटेक्ट लास्जलो टोथ की कहानी कहती है, जो अपने करियर और शादी को संभालने की कोशिश में लगा रहता है और इसके लिए वह अमेरिका चला जाता है। फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स और जो अल्विन जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

अनोरा सीन बेकर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो कि एक सेक्स वर्कर की शादी पर आधारित है। 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर में भारत की तरफ से शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'अनुजा' पुरस्कार पाने से चूक गई। इस कैटेगरी में फिल्म 'आई एम नॉट ए रोबोट' ने बाजी मारी। डच फिल्म निर्माता विक्टोरिया वार्मरडैम और निर्माता ट्रेंट की फिल्म आई एम नॉट ए रोबोट के लिए बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट का पुरस्कार जीतकर अनुजा के सपने को तोड़ दिया।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

यरूसलम, एजेंसी। उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे। रविवार को अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था। मंत्रालय ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार यह तय कर सकता है कि वे अपने घर लौटकर बच्चों को फिर से पुराने स्कूल में दाखिला दिलाएं या जहां वे स्थानांतरित हुए थे, वहीं पढ़ाई जारी रखें। इसके अलावा, सरकार ने स्कूल के बाद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 50 मिलियन शेकेल (करीब 13.89 मिलियन डॉलर) का बजट जारी किया है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, वेंटिलेटर हटाए गए; अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं

रोम, एजेंसी। पोप फ्रांसिस की हालत फिलहाल स्थिर है और अब उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेशन की जरूरत नहीं है। यह संकेत है कि उन्होंने शुक्रवार को आई सांस की तकलीफ को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और उनकी फेफड़ों की स्थिति में सुधार हो रहा है। पोप फिलहाल निमोनिया के दोहरे वार से उबर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पोप अभी भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, लेकिन शुक्रवार को आए तेज खांसी के दौरे के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर जो चिंता थी, वह अब कुछ हद तक कम हो गई है। डॉक्टरों ने रविवार को उनकी सेहत के बारे में बताया कि वे स्थिर हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। अस्पताल में पूजा-अर्चना और काम जारी

पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को उन्होंने सुबह वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल

पिएत्रो पैरोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्चबिशप एडगर पेना पार्रा से मुलाकात की। हालांकि, उनकी बातचीत का विषय सार्वजनिक नहीं किया गया।

यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना: पूरे दिन पोप ने आराम किया, अपनी निजी चैपल में प्रार्थना की और मास में हिस्सा लिया। वे वेटिकन से बाहर होने के कारण हर रविवार को दिए जाने वाले दोपहर के आशीर्वाद में भी शामिल नहीं हो पाए। इसके बजाय, वेटिकन ने जेमेली अस्पताल से ही उनका एक संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टरों और शुभचिंतकों का धन्यवाद किया। पोप ने अपने संदेश में यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना की और कहा कि अस्पताल में रहकर उन्हें महसूस हो रहा है कि युद्ध कितनी बेतुकी चीज है।

सेहत में सुधार के संकेत दिखे: डॉक्टरों के अनुसार, शुक्रवार को पोप की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जब उन्हें खांसी के दौरे के दौरान उल्टी सांस की नली में चली गई। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया था। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज किया और उन्हें एक विशेष ऑक्सीजन मास्क पर रखा। शनिवार को उन्होंने ऑक्सीजन सपोर्ट और वेंटिलेशन दोनों का सहारा लिया, लेकिन रविवार तक वेंटिलेटर की जरूरत खत्म हो गई। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि पोप को बुखार नहीं है और उनके खून में सफेद रक्त कणिकाओं (व्हाइट ब्लड सेल्स) की संख्या सामान्य है, जो यह दर्शाता है कि उनके शरीर में कोई नया संक्रमण नहीं हुआ है। शुक्रवार के बाद डॉक्टरों को 24 से 48 घंटे का इंतजार करना था, ताकि यह देखा जा सके कि क्या पोप की सेहत पर कोई नकारात्मक असर पड़ा है। रविवार को आई रिपोर्ट्स से यह स्पष्ट हुआ कि पोप संक्रमण के खतरे से बच गए हैं। पोप फ्रांसिस ने युवावस्था में अपने एक फेफड़े का एक हिस्सा हटवाया था, इसलिए उन्हें पहले से ही फेफड़ों की बीमारी है।

दुनियाभर से प्रार्थनाएं जारी: पोप की बीमारी के कारण दुनिया भर से उनके लिए दुआएं और प्रार्थनाएं की जा रही हैं। इस समय वेटिकन में पवित्र वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोम आ रहे हैं।

शेख हसीना के शासन काल में अत्याचारों के रिकॉर्ड होंगे संरक्षित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के तहत किए गए कथित अत्याचारों के अभिलेखों के सावधानीपूर्वक संरक्षण का आह्वान किया है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

यूनुस ने किया न्यायिक हत्याओं का उल्लेख: मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार ने संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ अपनी बातचीत के दौरान शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, देलवर हुसैन सईदी फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और कथित न्यायेतर हत्याओं के वर्षों का हवाला दिया। इसके जवाब में, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह उपचार और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है।

शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी

मोहम्मद यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 में हुए उत्थान के बाद संयुक्त राष्ट्र की तरफ से प्रकाशित मानवाधिकार उल्लंघन पर आधारित रिपोर्ट की सराहना की, जिससे 15 वर्षों तक चलने वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया। लुईस ने बताया कि मानवाधिकार परिषद में 5 मार्च को जेनेवा में यह रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। वहीं इस बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। लुईस ने शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी की चिंता व्यक्त की। इस पर यूनुस ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है; यह समय पर है।

13-16 मार्च तक बांग्लादेश के दौरे पर रहेंगे गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 13-16 मार्च तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे। ग्वेन लुईस का कहना है कि उनका दौरा शरणार्थी संकट पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने में मदद करेगा। लुईस ने कहा, हम पैसे की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं, उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति माह 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत है।

उरुग्वे के राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में पहुंचे पाबित्रा मार्गेरिटा

मोंटेवीडियो, एजेंसी। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने रविवार को उरुग्वे के राष्ट्रपति यामांडू ओरसी और उपराष्ट्रपति कैरोलिना कॉसे के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने उरुग्वे की नई सरकार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

मार्गेरिटा ने कहा कि वे भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। मार्गेरिटा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उरुग्वे की नई सरकार को भारत के प्रधानमंत्री की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उरुग्वे के लोगों को बधाई। भारत-उरुग्वे साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हूं।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की: इससे पहले शनिवार को, मार्गेरिटा ने उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां भारतीय प्रवासियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस तरह से भारत-उरुग्वे संबंधों को मजबूत करने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मोंटेवीडियो, उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय समुदाय से बातचीत की। महात्मा गांधी की विरासत को कायम रखने और भारत-उरुग्वे के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर गर्व है।

उरुग्वे के उद्योग मंत्री फर्नांडा कार्डोना से की मुलाकात: इससे पहले, मार्गेरिटा ने मोंटेवीडियो में उरुग्वे के उद्योग, ऊर्जा और खनन मंत्री (नामित) फर्नांडा कार्डोना से भी मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, फर्नांडा कार्डोना से मिलकर खुशी हुई। आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और हमने दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने पर सहमति व्यक्त की।

जापान में जंगल की आग से निपटने के लिए करीब 1,700 अग्निशामक तैनात

ओफुनाटो, एजेंसी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि करीब 1,700 अग्निशामक तीन दशकों में जापान की सबसे बड़ी जंगल की आग से जूझ रहे हैं. करीब 4,600 निवासियों को निकासी सलाह के तहत रखा गया है. पिछले सप्ताह इवाते के उत्तरी क्षेत्र में लगी आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. बता दें कि इस साल रिकॉर्ड कम बारिश और पिछले साल जापान में रिकॉर्ड की सबसे गर्म गर्मी के बाद इस तरह की वारदातें बढ़ गई है.

अग्निशमन और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि गुरुवार से ओफुनाटो शहर के पास लगी आग ने करीब 2,100 हेक्टेयर (4,450 एकड़) क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया है. टोक्यो की इकाइयों सहित 14

जापानी क्षेत्रों के अग्निशामक अब आग से निपट रहे हैं, 16 हेलीकॉप्टरों के साथ (इनमें सेना के हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं) आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं.

एजेंसी ने कहा कि रविवार तक 84 इमारतों को नुकसान पहुंचने का अनुमान है, हालांकि विवरण का अभी भी आकलन किया जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, लगभग 2,000 लोग दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए क्षेत्र छोड़ चुके हैं, जबकि 1,200 से अधिक लोगों को आश्रय स्थलों में ले जाया गया है.

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके पर ओफुनाटो से सुबह-सुबह फुटेज में इमारतों के पास नारंगी लपटें और हवा में सफेद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1970 के दशक में चरम पर पहुंचने के बाद से जापान में जंगल की आग की संख्या में कमी आई है. लेकिन 2023 में देश भर में लगभग 1,300 जंगल की आग होंगी, जो फरवरी से अप्रैल की अवधि में केंद्रित होंगी जब हवा सूख जाती है और हवाएं तेज हो जाती हैं. फरवरी में ओफुनाटो में केवल 2.5 मिलीमीटर (0.1 इंच) बारिश हुई, जिसने 1967 में महीने के लिए 4.4 मिलीमीटर के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया और सामान्य औसत 41 मिलीमीटर से कम रही. अधिकारियों ने बताया कि रविवार को उत्तरी जापान के कई हिस्सों से हजारों लोगों को निकाला गया. जापान में तीन दशकों में लगी सबसे बड़ी जंगल की आग ने कम से कम एक व्यक्ति की जान ले ली है. अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी जापान के शहर ओफुनाटो के आस-पास के इलाकों से लगभग 2,000 लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए भाग गए, जबकि 1,200 से ज्यादा लोगों को आश्रय स्थलों पर ले जाया गया.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विभिन्न बिंदुओं पर मांगी जाएगी स्पष्टता

सूरत शिवशक्ति मार्केट को NOC जारी करने वाली एजेंसी की होगी जांच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में शिवशक्ति मार्केट को फायर NOC जारी करने वाली एजेंसी की अब गहराई से जांच होगी। फायर विभाग ने इस मामले में कई अहम सवाल खड़े किए हैं और विभिन्न मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

क्या है मामला?

शिवशक्ति मार्केट में फायर सेफ्टी से जुड़े मानकों को लेकर सवाल उठे थे। मार्केट को फायर NOC जारी करने की प्रक्रिया और एजेंसी की भूमिका पर संदेह जताया गया था।

फायर विभाग करेगा जांच

NOC जारी करने वाली एजेंसी की पूरी जांच होगी कि क्या सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। मार्केट में फायर सेफ्टी उपकरण और निकासी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। यदि कोई अनियमितता पाई जाती है, तो एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन की सख्ती

शहर में फायर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर प्रशासन पहले से ही सख्त रुख अपना रहा है। यदि शिवशक्ति मार्केट को बिना उचित निरीक्षण के NOC जारी की गई होगी, तो संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। आगामी दिनों में फायर विभाग अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

आगे की कार्रवाई

फायर विभाग की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यदि कोई लापरवाही पाई जाती है, तो दोषियों पर कानूनी कार्रवाई होगी। फायर NOC से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। फिलहाल प्रशासन इस घटना को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा उपायों की समीक्षा कर रहा है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

500 से अधिक दुकानें जलकर खाक

शिवशक्ति मार्केट में कुल 8 54 दुकानें थीं, जिनमें से 500 से अधिक दुकानें आग की चपेट में आ गईं। इस हादसे से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

फायर ब्रिगेड को आई दिक्कतें

मार्केट के गेट के बाहर अतिक्रमण होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को अंदर जाने में परेशानी हुई। 48 घंटे तक लगातार कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया गया। आग पर नियंत्रण के बाद फायर ब्रिगेड ने मार्केट का कब्जा पुलिस को सौंप दिया। अब प्रशासन इस मामले की गंभीर जांच कर रहा है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

AAP विधायक चैतर वसावा का बूटलेगर के साथ डांस

शादी में कंधे पर हाथ रखकर किया डांस, विवाद बढ़ने पर बोले-मेरा कोई संबंध नहीं,

बूटलेगर BJP का सक्रिय सदस्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक **चैतर वसावा** का एक बूटलेगर के साथ डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में वसावा एक शादी समारोह में बूटलेगर के साथ कंधे पर हाथ रखकर डांस करते नजर आ रहे हैं।

विवाद बढ़ने के बाद विधायक चैतर वसावा ने सफाई देते हुए कहा कि उनका उस बूटलेगर से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक शादी में शामिल हुए थे और वहां कई लोग मौजूद थे। वसावा का दावा है कि यह मुद्दा उन्हें बदनाम करने की साजिश है।

हालांकि, इस मामले में एक और दिलचस्प मोड़ यह है कि जिस व्यक्ति को बूटलेगर बताया जा रहा है, वह भारतीय जनता पार्टी (BJP) का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। इसको लेकर भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। फिलहाल, इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं जारी हैं।

सूरत में AAP विधायक चैतर वसावा का बूटलेगर के साथ डांस करते वीडियो वायरल

सूरत में आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा का बूटलेगर के साथ डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह वीडियो अमरौली में एक समारोह के दौरान रिकॉर्ड किया गया, जिसमें वसावा एक व्यक्ति के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, चैतर वसावा के साथ डांस कर रहा व्यक्ति कामरेज क्षेत्र का कुख्यात बूटलेगर बुधो उर्फ बुधियो है। जब यह वीडियो वायरल हुआ तो इस पर विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद विधायक वसावा को सफाई देनी पड़ी।

क्या बोले विधायक चैतर वसावा?

विवाद के बाद चैतर वसावा ने बयान जारी कर कहा कि उनका इस बूटलेगर से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने सफाई दी कि वे केवल एक समारोह में शामिल हुए थे और वहां मौजूद लोगों के साथ नाच रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि यह पूरा मामला उन्हें बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है।

इस वीडियो के चलते राजनीतिक हलकों में हलचल मची हुई है और इस मुद्दे पर सूरत में बहस तेज हो गई है।

शादी समारोह में बूटलेगर के साथ किया डांस, वीडियो वायरल

रविवार (2 मार्च) को सूरत में आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावा का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वे एक शादी समारोह में बूटलेगर के साथ डांस करते नजर आए। यह शादी विधायक के साथीमित्र की बहन की थी, जहां वसावा ने भोजन के बाद डांस में हिस्सा लिया। इस दौरान एक अन्य व्यक्ति भी डांस में शामिल हुआ, जिसे बाद में कामरेज क्षेत्र का बड़ा बूटलेगर बताया गया।

चैतर वसावा की सफाई:

"मेरा कोई संबंध नहीं, बूटलेगर BJP का सक्रिय सदस्य"

विवाद बढ़ने के बाद विधायक चैतर वसावा ने सफाई देते हुए कहा कि वे उस बूटलेगर को जानते तक नहीं थे। उन्होंने कहा—

"शादी समारोह में बड़ी संख्या में लोग थे। मैं अपने दोस्तों के साथ डांस कर रहा था और उसी दौरान एक अन्य व्यक्ति भी शामिल हो गया। मुझे नहीं पता था कि वह कौन है। बाद में पता चला कि वह एक बूटलेगर है। मेरा उससे कोई संबंध नहीं है। मैं हमेशा शराबबंदी के मुद्दे उठाता रहा हूं और अवैध शराब कारोबारियों का विरोध करता रहा हूं।"

चैतर वसावा ने यह भी दावा किया कि यह बूटलेगर भाजपा (BJP) का सक्रिय सदस्य है और यह पूरा विवाद उन्हें बदनाम करने की साजिश है। फिलहाल, इस मुद्दे पर सूरत में राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

"शराब कारोबार से जुड़े किसी व्यक्ति का समर्थन नहीं करता" - चैतर वसावा

आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतर वसावाने सफाई देते हुए कहा कि वे शराब कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति का समर्थन नहीं करते। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधानसभा में भी उन्होंने शराबबंदी के मुद्दे पर स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी है।

चैतर वसावा ने आगे कहा—

"जब हमें इस व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, तब पता चला कि यह बूटलेगर खुद भाजपा (BJP) का सक्रिय सदस्य है। इसके गणपतभाई वसावा, कंवरजी हलपति और सूरत के बड़े नेताओं से अच्छे संबंध हैं।" विधायक ने यह भी दावा किया कि इस बूटलेगर के सोशल मीडिया अकाउंट पर भाजपा नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें उपलब्ध हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया और कहा कि वे शराबबंदी के मुद्दे पर हमेशा मुखर रहे हैं।

विवाद पर सियासत गरमाई

इस पूरे मामले ने गुजरात में सियासी हलचल तेज कर दी है। AAP और BJP के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी है बीजेपी ने जहां AAP विधायक पर सवाल उठाए हैं, वहीं वसावा ने उल्टा बीजेपी नेताओं से इस बूटलेगर के संबंधों पर जवाब मांगा है।

नवसारी में कांग्रेस को महिलाओं का समर्थन

विजलपोर में 200 से अधिक महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के विजलपोर क्षेत्र में 200 से अधिक महिलाओं ने कांग्रेस का खेस धारण कर पार्टी की सदस्यता ली। आगामी महानगरपालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस लगातार अपना संगठन मजबूत कर रही है और इस कदम को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

महिलाओं के समर्थन से कांग्रेस को मिलेगी मजबूती

- आगामी नगर निगम चुनावों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत करने के लिए महिलाओं को संगठित किया जा रहा है।
- महिलाओं ने स्थानीय मुद्दों को लेकर कांग्रेस का समर्थन किया और भाजपा सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताई।
- कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी जनता की समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विजलपोर में कांग्रेस का प्रभाव बढ़ाने की रणनीति

- कांग्रेस ने स्थानीय स्तर पर जनसंपर्क अभियान तेज किया है।
- महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए पार्टी **विशेष कार्यक्रम चला रही है।
- आने वाले चुनावों में महिलाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की योजना बनाई जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने भरोसा जताया कि इस समर्थन से आगामी चुनावों में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी और पार्टी नवसारी महानगरपालिका में बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी।

नवसारी महानगरपालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने की पहल की नवसारी महानगरपालिका के आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए अभियान शुरू किया है। इस संदर्भ में विजलपोर के वनगंगा सोसाइटी में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 200 से अधिक महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली और पार्टी का खेस धारण किया।

कांग्रेस में नई महिला सदस्यों का स्वागत

- जिला अध्यक्ष शैलेश पटेल के नेतृत्व में महानगरपालिका क्षेत्र में सक्रिय सदस्य पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है।
- इस अभियान के तहत महिला अध्यक्ष अर्चनाबेन सोलंकी और विजलपोर क्षेत्र की कांग्रेस नेता संगीता पटेल की उपस्थिति में नए सदस्यों का स्वागत किया गया।
- इस कार्यक्रम में महिलाओं ने कांग्रेस की विचारधारा पर भरोसा जताया और स्वेच्छा से पार्टी से जुड़ीं।

महिलाओं का कांग्रेस में बढ़ता समर्थन

- कांग्रेस पार्टी महिलाओं को संगठित कर स्थानीय राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास कर रही है।
- पार्टी का दावा है कि इस समर्थन से आगामी महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।
- कांग्रेस नेताओं ने जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देने और महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया।

विजिलेंस ने 3,580 शराब की बोतलों के साथ एक को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में स्टेट विजिलेंस ने बड़ी शराब खेप पर छापा मारा डिंडोली पुलिस स्टेशन की टीम ने प्रियंका सोसायटी, सेक्टर-2 में छापा मारकर 3,580 IMFL (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) की बोतलें जब्त की हैं, जिनकी कीमत 4,80,034 रुपये है। इसके अलावा, 11,160 रुपये नकद और 5,000 रुपये की कीमत का एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। कुल 4,96,194 रुपये के माल के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

छापे के दौरान एक आरोपी पकड़ा गया, तीन फरार

SMC रेड के दौरान अमित उर्फ सोनू मिलनभाई मोरे (निवासी- हाउस नं. 201, प्रियंका सोसायटी, सेक्टर-2, डिंडोली, सूरत) को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन आरोपी फरार हैं।

"होली के रंग एकल श्रीहरि के संग" कार्यक्रम में उमड़ा जन सैलाब

> राजस्थानी संस्कृति की दिखी झलक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट, सूरत चैप्टर के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में "होली के रंग श्रीहरि के संग" कार्यक्रम का भव्य आयोजन रविवार को वेसु स्थित जमना बा पार्टी प्लाट में किया गया। आयोजन में जाने माने अंतराष्ट्रीय लोक गायक संजय मुकुंदगढ़ ने अपनी पंद्रह लोगों की टीम के साथ राजस्थानी, मारवाड़ी बोली में होली, फागोत्सव के लोक गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जन समूह को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में शहर के युवा पीढ़ी के साथ साथ बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और लोक गीतों पर आनंद उठाया। आयोजन में पाँच हजार से अधिक लोग उपस्थित रहे। आयोजन में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

एकल श्रीहरि सूरत चैप्टर वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन में एकल अभियान राष्ट्रीय प्रभारी राजेश गोयल, राष्ट्रीय संगठन प्रभारी माधवेन्द्र सिंह, केंद्रीय नगर संगठन प्रमुख खेमानन्द, मुंबई महानगर से श्रीनारायण अग्रवाल, मीना अग्रवाल एवं सूरत महानगर से मुख्य अतिथि संजय पौद्दार , अतिथि विशेष उमेश अग्रवाल, खुसबू पौद्दार, ममता अग्रवाल, श्रीहरि चैप्टर राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल आदि पदाधिकारीयों ने मंच से एकल श्रीहरि के कार्यों की जानकारी, विस्तार, लक्ष्य के बारे में जानकारी दी।

ज्ञात रहे कि एकल श्रीहरि द्वारा भारत के सुदूर ग्रामीण वनवासी समाज के 60 हजार से अधिक ग्रामों में संस्कार शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समरसता, देश भक्ति, सुरक्षा, स्वाभिमान जागरण आदि विषयों कों लेकर कार्य किया जा रहा है।

समिति के वार्षिकोत्सव के मौके पर श्रीहरि सूरत चैप्टर के पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्वनाथ सिंघानिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन दारुका, अध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक), मंत्री अरुण तोला, कोषाध्यक्ष अशोक टिबरेवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

पूर्व प्रेमी की मौजूदगी में युवती की संदिग्ध मौत

युवक ने कहा-'जब मैं घर आया तो कमरे में दूसरा युवक मौजूद था, मुझे देखकर कमरे को बंद कर लिया और आत्महत्या कर ली।'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजन इलाके में रहने वाली और डोमिनोज पिज्जा में काम करने वाली एक युवती की उसके घर में संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई है। युवती के पूर्व प्रेमी का दावा है कि वह अपने वाहन के कागजात लेने युवती के घर पहुंचा था, तभी किसी कारणवश युवती ने कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। हालाँकि, युवती के आत्महत्या करने की बात पर उसके परिजन भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। मृतका के परिवार ने पुलिस से न्याय की मांग की है।

अडाजन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के आरोपों के चलते युवती का फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम करवाया गया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला सामने आया है, लेकिन सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी सामने आएगी। साथ ही, घटना के समय मौजूद युवक का भी बयान दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

मूल रूप से भरूच की रहने वाली युवती सूरत में रह रही थी मिली जानकारी के अनुसार, 31 वर्षीय सीमा (बदला हुआ नाम) मूल रूप से भरूच की रहने वाली थी और वर्तमान में सूरत के अडाजन इलाके में अपनी चचेरी बहन के साथ रहती थी। सीमा डोमिनोज पिज्जा में पिज्जा बनाने का काम करती थी और अपने वतन में रहने वाले माता-पिता समेत पूरे परिवार की आर्थिक रूप से मदद करती थी।

पूर्व प्रेमी बेहोशी की हालत में सीमा को अस्पताल लेकर पहुंचा

रविवार (2 मार्च) दोपहर में सीमा का पूर्व प्रेमी वसीम शेख उसे बेहोशी की हालत में नई सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद सीमा को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना अडाजन पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस सिविल अस्पताल पहुंची और कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की जांच शुरू की।

पूर्व प्रेमी क्या कह रहा है?

युवती के पूर्व प्रेमी वसीम ने बताया कि वह और सीमा पिछले आठ सालों से रिलेशनशिप में थे। इस दौरान उसने सीमा को एक मोपेड खरीदकर दी थी, जिसके ओरिजिनल दस्तावेज भी सीमा के पास थे।